राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 277, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली शनिवार 20 अप्रैल 2024, मूल्य : 2 /-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

160वीं जयंती पर डीएवी स्कूलों के संस्थापक महात्मा हंसराज को श्रद्धा सुमन अर्पित किए .... पेज 03

मोदी ने राहुल-अखिलेश गठबंधन पर सवाल उठाए, कहा- 2 शहजादों की जोड़ी फिर फिल्म .... पेज 05

आशुतोष शर्मा की शानदार बल्लेबाजी का मैंने लुफ्त उठाया : सुर्यकुमार यादव .... पेज 07

भारत ने पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल एक्सपोर्ट की

फिलीपींस को पहली खेप सौंपी, साउथ चाइना सी में तैनात होंगी; 3130 करोड़ में डील

नई दिल्ली। भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की पहली खेप शुक्रवार (19 अप्रैल) को सौंप दी। ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश है। भारत ने जनवरी 2022 में फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की बिक्री के लिए 375 मिलियन डॉलर (3130 करोड़ रुपए) की डील की थी। भारत ने फिलीपींस को कितनी मिसाइलें दीं, अभी इसका पता नहीं चला है।

इंडियन एयरफोर्स ने सी-17 ग्लोब मास्टर विमान के जरिए इन मिसाइलों को फिलीपींस मरीन कॉर्प्स को सौंपा।

इन मिसाइलों की स्पीड 2.8 मैक और मारक क्षमता 290 किमी है। एक मैक ध्वनि की गति 332 मीटर प्रति सेकेंड होती है। फिलीपींस को सौंपी गई मिसाइल की स्पीड ध्वनि की गति से 2.8 गुना ज्यादा है। फिलीपींस को उस समय मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी मिली है, जब उसके और चीन के बीच साउथ चाइना सी में तनाव बढ़ा हुआ है। फिलीपींस ब्रह्मोस के 3 मिसाइल सिस्टम को तटीय इलाकों (साउथ चाइना सी) में तैनात करेगा, ताकि चीन के खतरे से निपटा जा सके।

ब्रह्मोस के हर एक सिस्टम में दो मिसाइल लॉन्चर, एक रडार और एक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर होता है। इसके जरिए सबमरीन, शिप, एयक्राफ्ट से दो ब्रह्मोस मिसाइलें 10 सेकेंड के अंदर दुश्मन पर दागी जा सकती है। इसके अलावा भारत फिलीपींस को मिसाइल ऑपरेट करने की भी ट्रेनिंग देगा।

102 सीटों पर 67 प्रतिशत वोटिंग

त्रिपुरा में सबसे ज्यादा 80 प्रतिशत, बिहार में सबसे कम 48 प्रतिशत; बंगाल-मणिपुर में हिंसा

नई दिल्ली। लोकसभा के फर्स्ट फेज में 21 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग पूरी हुई है। सुबह 7 बजे से शाम 6 हुई वोटिंग में 66.92 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। सबसे ज्यादा 80त्न वोटिंग त्रिपुरा में हुई, जबकि सबसे कम 48त्न वोटिंग बिहार में हुई। फाइनल वोटिंग प्रतिशत अभी नहीं आया है।

सीटों के हिसाब से यह सबसे बड़ा फेज है। दो राज्यों पश्चिम बंगाल और मणिपुर में वोटिंग के दौरान हिंसा की भी हुई। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनाव के लिए भी वोट डाले गए। अरुणाचल प्रदेश में 64 प्रतिशत और सिक्किम में 68 प्रतिशत लोगों ने राज्य में सरकार बनाने के लिए वोट डाले।

2019 में हुए लोकसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में 91 सीटों पर 69.43 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। 2019 में इन 102 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। अन्य को 23 सीटें मिली थीं। इस फेज में अधिकतर सीटों पर मुकाबला इन्हीं 3 दलों के बीच है।

बंगाल और मणिपुर में झड़प, हिंसा, ईवीएम जलाईं

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच पथराव : तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कूचबिहार के तूफानगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पोलिंग बूथ पर हिंसा की। तृणमूल एजेंट्स से मारपीट की गई है, इसमें कई घायल हैं। टीएमसी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हथियारों के साथ बूथ के सामने खड़े होकर मतदाताओं को डरा रहे हैं। इस इलाके में गुरुवार रात भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिंसा की और तृणमूल के अस्थाई दफ्तर में आगजनी की। टीएमसीने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की है। भाजपा ने भी तृणमूल के कार्यकर्ताओं पर हिंसा का आरोप लगाया है।

नगालैंड के 6 जिलों में वोटिंग जीरो

नगालैंड के 6 जिलों में लगभग 0 प्रतिशत वोटिंग हुई है। ये जिले हैं- मोन, लॉन्गलेंग, तुएनसान्ग, नोकलाक, शामाटोर और किफिरे। ये सभी पूर्वी नगालैंड में आते हैं। ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन इन जिलों के लिए अलग प्रशासन और पहले से अधिक वित्तीय स्वंत्रता की मांग कर रहा है। इस संगठन ने इन जिलों के लोगों से चुनाव का बहिष्कार करने की अपील की थी।

इम्फाल में उपद्रवियों ने ईवीएम जलाई, तोड़फोड़ भी हुई

पूर्वी इम्फाल के मोइरंगकंपू में चुनाव के दौरान आगजनी की घटना सामने आई है। यहां उपद्रवियों ने ईवीएम मशीन को जला दिया। वहीं इंफाल पूर्वी जिले के खुरई लाईखुटलेंबी में गुस्साए लोगों ने ईवीएम मशीन में तोड़फोड़ कर दी। इन लोगों का आरोप था कि हथियारबंद बदमाशों ने उनका वोट डाल दिया। वोटिंग के दौरान मणिपुर के बिष्णुपुर में भी फायरिंग हुई। मणिपुर की दो लोकसभा सीटों (मणिपुर इनर और मणिपुर आउटर) पर भी इस फेज में वोटिंग है। हिंसा को देखते हुए आउटर सीट के कुछ हिस्सों में 26 अप्रैल को भी वोटिंग होगी।

संगरूर जेल में गैंगवार, दो गुट आपस में भिड़े, 2 की मौत

कटर से हमला किया; 2 की हालत गंभीर

संगरूर। पंजाब की संगरूर जेल में कैदियों के बीच खूनी झड़प हुई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक जेल में बंद कैदियों के 2 गुट आपस में भिड़ गए। जो गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें इलाज के लिए लाया गया, जहां 2 कैदियों की मौत हो गई है। संगरूर अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक 2 कैदियों की पहले ही मौत हो चुकी थी। 2 कैदियों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें राजिंदरा मेडिकल कॉलेज पटियाला रेफर किया गया है। मरने वाले कैदी हर्ष और धर्मेंद्र हैं जबकि गगनदीप सिंह और मुहम्मद हारिश की हालत गंभीर है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सिमरनजीत सिंह उर्फ जुझार ने अपने 8 साथियों के साथ मोहम्मद शाहबाज व उसके साथियों पर कटर से हमला किया। सिमरनजीत सिंह जुझार गैंग का सरगना है। वह अमृतसर के रसूलपुर कलर का रहने वाला है। उसके खिलाफ 302, 307 व फिरौती व अलग-अलग करीब 18 केस दर्ज हैं। जुझार तकरीबन 6 सालों से जेल में बंद है। संदीप सिंह नंगल अंबिया की हत्या में भी सिमरनजीत सिंह उर्फ जुझार का नाम सामने आया था।

गैंगस्टर्स से लिंक होने का शक

पुलिस को शुरूआती जांच में इन चारों कैदियों के गैंगस्टर्स से लिंक होने का शक है। फिलहाल पुलिस इनके क्रिमिनल रिकॉर्ड को निकलवा रही है। वहीं मारपीट में घायल हुए 2 कैदियों के बयान लेने की कोशिश कर रही है ताकि झड़प की असली वजह सामने आ सके। कैदियों के बीच हिंसक झड़प और उसमें 2 कैदियों की मौत का पता चलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस के सीनियर अफसर भी एक्टिव हो गए। जिसके बाद जेल के अंदर-बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायल कैदियों की सुरक्षा में भी पुलिस तैनात की गई है।

ओडिशा में महानदी में नाव पलटी, 2 लोगों की मौत : 7 लापता

झारसुगुड़ा। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में शुक्रवार (19 अप्रैल) की शाम बड़ा हादसा हो गया है। यहां से निकली महानदी में नाव पलट गई, जिस पर 50 लोग सवार थे। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, उनके शव बरामद किए गए हैं। 7 लोग लापता है, जिनकी तलाश में गोताखोर और एसडीआरएफ की टीम जुटी हुई है। ओडिशा सरकार ने मरने वालों के परिजनों को 4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की है। राज्य के सीएम नवीन पटनायक ने घटना पर दुख जताया है। पुलिस के मुताबिक, नाव पाथरसेनी कुडा से बरगढ़ जिले के बंजीपल्ली जा रही थी। इसमें 50 लोग सार थे। जैसे ही नाव झारसुगुड़ा जिले के रेंगाली पुलिस थाने की सीमा ने आने वाले सारदा घाट पहुंची तो वहां पलट गई। मौके पर मौजूद मछुआरों ने 35 लोगों को पानी से बाहर निकाला। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने 7 और लोगों का रेस्क्यू किया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई 7 लोग अभी भी लापता हैं।

योग से कमाए पैसों पर देना होगा टैक्स

रामदेव की पतंजलि को सुप्रीम कोर्ट से एक और झटका

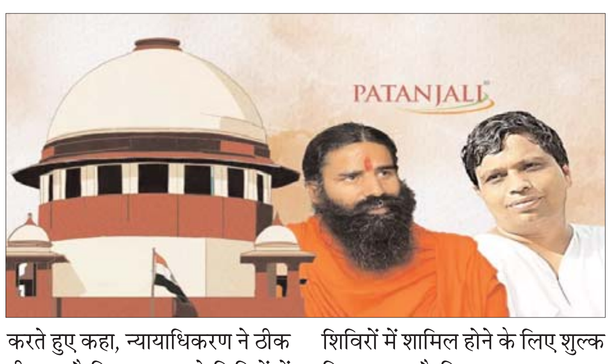

बाबा रामदेव के पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा। शीर्ष अदालत ने अपीलीय न्यायाधिकरण के एक फैसले को बरकरार रखा है। न्यायाधिकरण के फैसले में रामदेव के ट्रस्ट को योग शिविरों के आयोजन के लिए प्रवेश शुल्क (एंट्री फीस) लेने पर सेवा कर (सर्विस टैक्स) का भुगतान करने को कहा गया था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) की इलाहाबाद पीठ के पांच अक्टूबर, 2023 को आए फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

पीठ ने ट्रस्ट की अपील खारिज करते हुए कहा, न्यायाधिकरण ने ठीक ही कहा है कि शुल्क वाले शिविरों में योग करना एक सेवा है। हमें इस आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला। अपील खारिज की जाती है। सीईएसटीएटी ने अपने आदेश में कहा था कि पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट की तरफ से आयोजित आवासीय एवं गैर-आवासीय योग शिविरों में शामिल होने के लिए शुल्क लिया जाता है लिहाजा यह स्वास्थ्य और फिटनेस सेवा की श्रेणी में आता है और इस पर सेवा कर लगेगा।

योग गुरु रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण के अधीन काम करने वाला यह ट्रस्ट विभिन्न शिविरों में योग प्रशिक्षण प्रदान करने में लगा हुआ था। न्यायाधिकरण ने अपने आदेश में कहा था कि प्रतिभागियों से दान के रूप में योग शिविरों के लिए शुल्क एकत्र किया गया था। हालांकि यह राशि दान के रूप में एकत्र की गई थी, लेकिन यह उक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए शुल्क ही था। इसलिए यह शुल्क की परिभाषा के तहत आता है।

सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मेरठ रेंज के आयुक्त ने अक्टूबर, 2006 से मार्च, 2011 के लिए जुर्माना और ब्याज सहित लगभग 4.5 करोड़ रुपये के सेवा कर की मांग की थी। इसके जवाब में ट्रस्ट ने दलील दी थी कि वह ऐसी सेवाएं प्रदान कर रहा है जो बीमारियों के इलाज के लिए हैं। इसमें कहा गया था कि ये सेवाएं 'स्वास्थ्य और फिटनेस सेवा' के तहत कर-योग्य नहीं हैं।

रायसेन में दो बाइक भिड़ी, तीन जिंदा जले

रायसेन। रायसेन में शुक्रवार तड़के दो बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई। आग लगने से बाइक सवार तीन युवक जिंदा जल गए। एक को गंभीर हालत में बरेली सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा गैरतगंज गाडरवारा के करमोदी के पास हुआ। गैरतगंज का रहने वाला अर्जुन अहिरवार (24) और विपिन अहिरवार (20) एक बाइक पर थे। दोनों सिलवानी के मजगवा गांव में शादी में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। सिलवानी का रहने वाला जितेंद्र आदिवासी और दिनेश अहिरवार भी बाइक पर उसी रोड से जा रहे थे। दोनों बाइक तेज स्पीड में होने के कारण आमने-सामने भिड़ गई। टक्कर होते ही दोनों बाइक में आग लग गई। अर्जुन, विपिन और जितेंद्र को संभलने का समय तक नहीं मिला और जिंदा जल गए। दिनेश की हालत गंभीर है। बरेली सिविल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

केरल में बर्ड फ्लू फैला, 21 हजार पक्षी मारेगा प्रशासन

8 दिन में 3500 पक्षी मरे; जिला प्रशासन का दावा- इंसानों में फैलने की संभावना नहीं

अलप्पुझा। केरल के अलप्पुझा जिले में दो जगह जानलेवा बर्ड फ्लू के फैलने की खबर हड़कंप मच गया है। यहां एडथवा ग्राम पंचायत के वार्ड एक और चेरूथाना ग्राम पंचायत के वार्ड 3 में बत्तखों में इस वायरस की पुष्टि हुई है। एडथवा मे 12 अप्रैल से अब तक 3 हजार तो चेरूथाना में 250 पक्षी मारे चुके हैं। मरे हुए पक्षियों के सैंपल जब भोपाल स्थित लैब भेजे गए, तब इनमें एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) यानी बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। अब यहां 21 हजार पक्षियों को मारा जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक एडथुआ में अब्राहम ओसेफ की 7500 बत्तखों, और चेरुथाना में रघुनाथन चिरयिल की

2000 और देवराजन टीकी 15000 बत्तखों में हफ्ते भर पहले से वायरस के लक्षण दिखाई दे रहे थे। रिपोर्ट आने के बाद जिला कलेक्टर एलेक्स वर्गीस ने 25 अप्रैल तक बत्तख, चिकन, बटेर और अन्य घरेलू पक्षियों के मांस, अंडे और अपशिष्ट (खाद) की आवाजाही, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

एक किमी के दायरे में मारी जाएंगी बत्तखें

बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर ने मीटिंग की, जिसमें फैसला लिया गया कि भूकंप के केंद्र से एक किलोमीटर के दायरे में संक्रमित पक्षियों को मारने और नष्ट किया जाएगा। इसके लिए एक रैपिड एक्शन फोर्स बनाई गई है। इसकी 8 टीमें दोनों जगहों पर बत्तखों को मारने और उन्हें नष्ट करने का काम करेंगी।

जिला प्रशासन ने कहा है कि बर्ड फ्लू से घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस बीमारी के इंसानों में फैलने की कोई संभावना नहीं है।

जरूरतमंदों को अस्पताल में मुफ्त इलाज की सुविधा

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने कई वर्षों से बंद पड़े बाला साहिब अस्पताल यानी गुरु हरिकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पांच मई से ओपीडी सेवायें शुरू करने का ऐलान किया और कहा कि अस्पताल में जरूरतमंदों को सेवायें नि:शुल्क प्रदान की जायेंगी।

समिति के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गुरु हरिकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से समाधान किया गया है और ओपीडी सेवायें शुरू करने की तैयारी है।

उन्होंने कहा कि पांच मई को गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश, गुरबाणी कीर्तन और अरदास के पश्चात सेवायें शुरू की जायेंगी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में आधुनिक मशीनें लगाई जा रही हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों के इलाज में सुविधा होगी और पेशेवर डॉक्टर इस अस्पताल में अपनी सेवायें देंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले बाला साहिब अस्पताल में मुफ्त डायलिसिस सेवा चल रही है और अब तक 75 हजार लोग इस सेवा से लाभान्वित हो चुके हैं। गुरुद्वारा बंगला साहिब के मेडिकल सेंटर में 50 रुपये में एमआरआई और सीटी स्कैन किया जा रहा है।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार दिल्ली फतेह दिवस 27 अप्रैल और 28 अप्रैल को लाल किले पर मनाया जा रहा है, जिसमें पहले दिन कीर्तन दरबार होगा और अगले दिन

गुरु की प्यारी निहंग सिंहों की फौज के जत्थे अपने जौहर दिखाएंगे। आयोजन के लिये पांचों तख्तों के जत्थेदार साहिबानों, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति सहित सभी पंथक संगठनों को निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं।

मतदान

सहारनपुर सीट पर सबसे ज्यादा 63.29 फीसदी वोट पड़े,

लोकसभा चुनाव : यूपी में पहले चरण में 58.14 फीसदी मतदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आठ संसदीय क्षेत्रों में करीब 58.14 प्रतिशत मतदान हुआ।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि सहारनपुर सीट पर सबसे ज्यादा 63.29 फीसदी वोट पड़े, जबकि रामपुर सीट पर सबसे कम 52.42 फीसदी मतदान हुआ। अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में बिजनौर में 54.68 प्रतिशत, कैराना में 60.6 प्रतिशत, मुरादाबाद में 59.32 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर में 54.91 प्रतिशत, नगीना में 59.17 प्रतिशत और पीलीभीत में 60.23 प्रतिशत मतदान

हुआ। गौरतलब है कि ये आठ संसदीय क्षेत्र नौ जिलों सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत और बरेली में हैं। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा और छोटी-मोटी गड़बड़ियों को छोड़कर किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि एक बूथ पर हाथापाई की खबर थी जिसे सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत सुलझा लिया।

रिनवा ने बताया कि मतदान प्रक्रिया पर सतत निगरानी बनाए रखने के लिए 7,500 स्थानों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई। मतदान के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से शिकायतें मिलीं, जिनका तुरंत समाधान किया गया। विपक्षी दलों का आरोप था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में गड़बडी हुयी, मतदाताओं को वोट डालने से रोका गया और लोगों को बिना जांच के वोट देने की अनुमति दी जा रही थी।

सीईओ ने बताया कि सुबह सात बजे शुरू हुआ मतदान शाम छह बजे तक जारी रहा. उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों से चुनाव प्रक्रिया के बहिष्कार की सूचनायें थीं, लेकिन अधिकारियों ने स्थिति को सुलझा लिया। 7,693 मतदान केंद्रों पर बने 14,845 पोलिंग बूथ पर मतदान हुआ, जिनमें से 3,571 मतदान केंद्र संवेदनशील थे। मतदान पर निगरानी बनाए रखने के लिए आठ सामान्य पर्यवेक्षक, पांच पुलिस पर्यवेक्षक और 10 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए गए थे। इसके अलावा, 1,272 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 150 जोनल मजिस्ट्रेट, 103 स्टेटिक मजिस्ट्रेट और 1,861 माइक्रो पर्यवेक्षक भी तैनात किए गए थे।

शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए 6,018 इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर, 35,750 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल, 24,992 होम गार्ड, पीएसी की 60 कंपनियां और सीएपीएफ की 220 कंपनियां चुनाव ड्यूटी पर तैनात की गईं।

गौरवशाली भारत
नई दिल्ली
शनिवार 20 अप्रैल 2024
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

आत्मविश्वास की कमी के कारण राहुल वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं : जेपी नड्डा

वायनाड। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल के वायनाड से इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वह इस लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी से चुनाव लड़ेंगे तो हार जायेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) उम्मीदवार के सुरेंद्रन के लिए चुनाव प्रचार के हिस्से के रूप में सुल्तान बाथरी में एक रोड शो को संबोधित करते हुए, नड्डा ने आरोप लगाया कि गांधी की राजनीति उचित रुख के बिना है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं जिनके पास अपने निर्वाचन क्षेत्र अमेठी से चुनाव लड़ने का आत्मविश्वास नहीं है। राहुल गांधी का गठबंधन राष्ट्र विरोधियों, प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई), सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के साथ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें देश के लोगों पर कोई भरोसा नहीं है। नड्डा ने कहा कि वायनाड से मौजूदा सांसद देश से जुड़ी कोई बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में जांच के घेरे में हैं, इसीलिए वह भ्रष्ट लोगों को बचा रहे थे और परिवारवाद की राजनीति कर रहे थे और तुष्टिकरण की राजनीति उनकी पहचान है।

ईवीएम तोड़ने की सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने किया बूथ का निरीक्षण

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार विधानसभा के मतदान केंद्र ज्वालापुर इंटर कॉलेज में एक मतदाता ने ईवीएम मशीन का विरोध करते हुए पोलिंग बूथ पर रखी मशीन को ही नीचे पटक डाला और उसने जोर-जोर से चिल्लाते हुए कहा कि ईवीएम मशीन का विरोध करते हैं। बूथ पर तैनात पुलिस कर्मियों ने हालांकि आरोपी मतदाता को पकड़ कर ज्वालापुर कोतवाली ले गई जहां उससे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद मतदान केंद्र पर हरिद्वार जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने निरीक्षण करते पूरे मामले की जानकारी ली। जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि वोट डालने आए एक व्यक्ति ने मशीन को जमीन पर गिर दिया लेकिन मशीन को कोई नुकसान नही पहुंचा। मशीन बिलकुल ठीक रूप से कार्य कर रही हैं। फिलहाल पुलिस ने मशीन तोड़ने वाले मतदाता को हिरासत में ले लिया है। दरअसल पूरा मामला यह था कि ज्वालापुर क्षेत्र के रहने वाले मतदाता मतदान केंद्र ज्वालापुर इंटर कॉलेज स्थित बूथ नंबर 126 पर एक बुजुर्ग मतदाता को मतदान कराने के लिए पहुंचा था। नंबर आने के बाद जैसे ही वह अंदर पहुंचा तो उन्होंने डेस्क पर रखी ईवीएम मशीन को उठाया और नीचे जमीन पर पटक डाला।

छात्रा की हत्या को लेकर छिड़ा राजनीतिक विवाद

हुबली। कर्नाटक के बीवीबी कॉलेज परिसर के अंदर 23 वर्षीय मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) की छात्रा नेहा हीरेमथ की हत्या से राज्य में राजनीतिक हलचल पैदा हो गयी है। इस घटना के बाद विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के बीच लव जिहाद के विवादास्पद मुद्दे पर तीखी बहस छिड़ गयी है। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, नेहा पर गुरुवार को उसके एक परिचित फैयाज ने जानलेवा हमला किया। फुटेज में फयाज को घटनास्थल से भागने से पहले नेहा पर कई बार चाकू हमला करते हुए देखा गया ।तत्काल चिकित्सा सहायता के बावजूद नेहा ने दम तोड़ दिया। हालांकि, बाद में फैयाज को पुलिस ने पकड़ लिया। पीड़िता के पिता निरंजन हिरेमथ ने खुलासा किया कि फैयाज ने पहले नेहा को 'प्रपोज' किया था। हिरेमथ ने कहा, उन्होंने जातिगत मतभेदों के कारण उसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, जिससे वह नाराज हो गया और इस घटना को अंजाम दिया। हिरेमथ ने बताया कि उन्होंने फैयाज को नेहा का पीछा करने के खिलाफ चेतावनी भी दी थी। भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर कानून-व्यवस्था बनाये रखने में विफल रहने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना लव जिहाद की संलिप्तता को दर्शाती है।

चिकित्सा अधिकारी पर हमले के विरोध में चिकित्सकों ने किया विरोध प्रदर्शन

होशियारपुर। ईएसआई अस्पताल में विवाद के बाद निजी मिल में कार्यरत एक व्यक्ति द्वारा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) डॉ सुनील भगत पर हमला करने के विरोध में शुक्रवार को पंजाब सिविल मेडिकल सर्विसेज (पीसीएमएस) एसोसिएशन, पीसीएमएस स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सदस्यों और ईएसआई अस्पताल के कर्मचारियों ने ईएसआई अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को ईएसआई अस्पताल में विवाद के बाद निजी मिल में कार्यरत एक व्यक्ति ने एसएमओ डॉ. सुनील भगत पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। गंभीर हालत में डीएमसी, लुधियाना रेफर किये जाने से पहले डॉ. भगत को पहले एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आईएमए, पीसीएमएस स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स एसोसिएशन और पीसीएमएस एसोसिएशन के अध्यक्ष क्रमशः डॉ. बलविंदरजीत सिंह, डॉ. मनमोहन सिंह और डॉ. कुलतार सिंह सहित डॉक्टर घटना के विरोध में ईएसआई अस्पताल में एकत्र हुए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में डॉक्टरों पर ऐसे हमले नहीं होने चाहिये और चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक उपायों की मांग की।

कंगना ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने शुक्रवार को भांबला स्थित अपने निवास स्थान पर सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के भाजपा समर्थित पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की। इस दौरान में सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र से चुने हुए भाजपा समर्थित पंचायत प्रधान, उपप्रधान, बीडीसी और जिला परिषद सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस दौरान कंगना ने सभी के साथ अपनी स्थानीय मंडयाली बोली में संवाद किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कंगना ने कहा कि मंडी संसदीय क्षेत्र के तहत 17 विधानसभा क्षेत्र आते हैं और यहां हर व्यक्ति को नाम से याद रख पाना संभव नहीं है। सरकाघाट के लोगों के कंधों पर इस वक्त बड़ी जिम्मेदारी है और इस जिम्मेदारी को सभी मिलकर निभाएंगे। कभी भी आपने यह नहीं सोचना है कि कंगना के साथ कैसे मुलाकात करें। काम के सिलसिले में जब भी आपको मिलना हो या बात करनी हो तो निसंकोच होकर आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मंडी संसदीय क्षेत्र इतना बड़ा है कि हर वक्त घर पर उपस्थित रह पाना संभव नहीं होगा। ऐसे में घर पर भी लोगों की सुविधा के लिए पूरी व्यवस्था की जा रही है। घर पर जो परिवार के लोग हैं वो भी इस काम में पूरा साथ दे रहे हैं।

रेलवे गर्मियों में चलाएगी 9111 विशेष गाड़ियां

नयी दिल्ली। भारतीय रेलवे ने इस साल गर्मियों में यात्रियों के सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए नौ हजार से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की योजना बनायी है। रेल मंत्रालय के अनुसार गर्मियों के मौसम में मांग में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष गाड़ियों के 9111 फेरों का संचालन किया जाएगा। रेल मंत्रालय के अनुसार 2023 की गर्मियों में कुल 6369 फेरों का संचालय किया गया था। इस प्रकार से इस वर्ष गाड़ियों के फेरों में 2742 की रिकॉर्ड वृद्धि की गयी है। प्रमुख रेल मार्गों पर निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए देश भर के प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है। समस्त जोनल रेल द्वारा देश भर में गर्मियों के मौसम में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों से यात्रियों की भीड़भाड़ को कम करने के लिए इन अतिरिक्त फेरों को संचालित करने की तैयारी कर ली गई है।

ग्रेटर नोएडा में पकड़ी गई तमंचा फैक्ट्री

पंखिया गिरोह से जुड़े तार, 21 अवैध हथियार के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में चुनाव से पहले पुलिस ने हथियारों की फैक्ट्री का खुलासा किया है। इकोटेक वन थाना पुलिस और स्वाट टीम ने एक फैक्ट्री पर छापेमारी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान मौके से 20 से ज्यादा अवैध हथियार बरामद किए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा की ईकोटेक वन थाना पुलिस और टेक्निकल इंटेलिजेंस व मैन्युअल सूचना के आधार पर यमुना पुस्ते के पास एक बंद पड़ी हुई निर्माणधीन बिल्डिंग में छापेमारी की। इस बिल्डिंग के बेसमेंट में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री लगी हुई थी। पुलिस ने इस दौरान मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही मौके से 21 बने हुए हथियार बरामद किए। उसके अलावा तीन अधबने तमंचे, कारतूस और तमंचे बनाने के उपकरण भी बरामद किए गए।

पुलिस ने मौके से पंखिया गिरोह के दो सदस्य जुबेर व मसिल को गिरफ्तार किया। यह दोनों आरोपी अभी कुछ दिन पहले हुई मुठभेड़ के दौरान मौके से फरार हो गए थे। यह लोग अपने साथियों के साथ मिलकर ऑटो में सवार होकर रेकी करने के बाद चोरी की वारदातों को अंजाम दिया करते थे। उन्होंने करीब 2 साल पहले एक मर्चेंट नेवी के ऑफिसर के यहां पर डकैती की घटना को भी अंजाम दिया था ।यह बड़े ही शातिर पंखिया गिरोह के सदस्य हैं।

एक दर्जन से ज्यादा मुकदमें हैं दर्ज

ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। इस दौरान पंखिया गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह लोग काफी लंबे समय से फरार चल रहे थे। आरोपी पहले वेल्डिंग व खराद का काम करते थे। इस दौरान इन्होंने तमंचा बनाना भी सीख लिया था। यह लोग एक निर्माणधीन बिल्डिंग में अवैध शस्त्र की फैक्ट्री चल रहे थे और करीब 2 महीने से यहां पर यह अवैध हथियार तैयार कर रहे थे। उनके द्वारा यह हथियार फर्रुखाबाद व अन्य जगहों पर सप्लाई किए जाते थे। फिलहाल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इनके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

सेंट्रल नोएडा में पुलिस ने पकड़ी शराब की खेप

छोटा हाथी में लोड थी 200 पेटी हरियाणा मार्का शराब

गौतम बुद्ध नगर। सेंट्रल नोएडा की बिसरख थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक छोटा हाथी गाड़ी से 200 पेटी हरियाणा मार्का शराब बरामद की है।

इस दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इस शराब की कीमत करीब साढ़े 7 लाख रुपए बताई जा रही है। बिसरख पुलिस ने लोकल इंटलीजेंस और मुखबिर की सूचना के आधार पर तिगरी गेट के पास से एक छोटा हाथी गाड़ी को पकड़ा। इस गाड़ी से करीब 200 पेटी यानी 10 हजार शराब के पव्वे बरामद किए गए। यह शराब हरियाणा मार्का है, जो हरियाणा से लाई जा रही थी। इस शराब की कीमत करीब साढ़े 7 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दिल्ली निवासी सागर व रमन को गिरफ्तार किया।

पुलिस को शक है कि यह शराब लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल करने के लिए लाई गई थी। पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है और इन लोगों से पूछताछ कर रही है कि इस शराब को आखिर कहां पर ले जाया जा रहा था।

एलिवेटेड रोड एक तरफ से बंद

नोएडा। मरम्मत कार्य की वजह से सेक्टर-18 से सेक्टर-60 की ओर जाने वाला एलिवेटेड रोड बंद होने से बृहस्पतिवार को सुबह और शाम पीक ऑवर में रोड के नीचे वाहनों का दबाव बढ़ गया। कई स्थानों पर जाम की स्थिति बन गई। जाम से निजात दिलाने के लिए एलिवेटेड रोड के नीचे कई प्वाइंट पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। मरम्मत की वजह से सेक्टर-18 से सेक्टर-60 की तरफ जाने वाले एलिवेटेड रोड को 25 अप्रैल तक बंद किया गया है। इस कारण एक्सप्रेसवे, सेक्टर-18, दिल्ली से आने वाले वाहन चालकों को एलिवेटेड रोड के नीचे से जाना पड़ रहा है। डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव का कहना है कि एलिवेटेड रोड के नीचे कुछ यू-टर्न और चौराहों को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। जाम से बचने के लिए वाहन चालकों को अट्टापीर, राय रेजिडेंसी चौक, जलवायु विहार, मोदी मॉल और एडोब चौक से गंतव्य की ओर जाने की सलाह दी है। इसके अलावा जाम से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने सेक्टर-31-25 और सेक्टर-53 गिझौड़ चौराहे के पास की रेड लाइट का समय बढ़ाया है। वहीं, गिझौड़ चौक के बंद होने से अब सेक्टर-24 से सेक्टर-53 की ओर जाने वाले चालकों को गिझौड़ चौक से सीधे सेक्टर-54 के पास बने पेट्रोल पंप के सामने से यूटर्न से लेकर सेक्टर-53 होशियारपुर की ओर जाना पड़ रहा है।

डीएनडी पर डिवाइडर से टकराई कार, दो की मौत

एयर बैग खुले फिर भी नहीं बची जान, युवती और एक अन्य युवक आईसी में भर्ती

नोएडा। नोएडा के डीएनडी पर देर रात एक कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक महिला सहित दो लोग बुरी तरह से घायल है। जिस समय डिवाइडर से टकराई स्पीड 100 किमी प्रतिघंटा के आसपास थी।

कार का इंजन पूरी तरह से डैमेज हो गया। हादसे में घायल हुए लोगों को इलाज नोएडा के सेक्टर-27 कैलाश अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस ने परिजनों को जानकारी देकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

थाना फेज-1 प्रभारी ध्रुव कुमार ने बताया कि गुरुवार देर रात एक कार दिल्ली से डीएनडी से होते हुए नोएडा आ रही थी। कार नंबर हुंडई इक्सेंट्रा एचआर26बीआर 2055 ने जैसे ही डीएनडी पार किया। सामने डिवाइडर से टकरा गई। कार के टक्कर लगते ही दोनों एयर बैग खुल गए। लेकिन ड्राइवर सीट और बगल में बैठे दोनों युवकों की जान नहीं बच सकी।

कार में सिद्धार्थ पुत्र करन यादव निवासी डीजी- 2 166बी डीडीए फ्लैट विकासपुरी दिल्ली, रजत पुत्र जगदीश भरद्वाज निवासी सी 227 जनकपुरी दिल्ली, प्राकांशिका पुत्री रमित निवासी सी 3 ए ब्लॉक जनकपुरी दिल्ली और चिराग पुत्र प्रमोद जनकपुरी दिल्ली थे।

घटना के दौरान सिद्धार्थ और चिराग दोनों की मौत हो गई। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं रजत और प्राकांशिका की हालत गंभीर है उनका इलाज अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। मृतक सिद्धार्थ पेशे से इंजीनियर बताया जा रहा है।

ग़नीमत रही कि हादसे के दौरान पीछे से कोई अन्य वाहन नहीं आ रहा था।

अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। थाना प्रभारी ने बताया कि चारो दिल्ली से नोएडा किस काम से आए थे घायलों और परिजनों से पूछताछ के बाद ही पता चल सकेगा।

गौतमबुद्ध नगर में चुनाव को लेकर अलर्ट

अपर पुलिस आयुक्त ने बॉर्डर एरिया का लिया जायजा, संदिग्धों को रोककर चेकिंग हुई

गौतम बुद्ध नगर। आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट नजर आ रहा है। इसी कड़ी में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीणा ने पुलिस बल के साथ कमिश्नरेट में लगने वाले बार्डर व अन्य स्थानों पर चेकिंग की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग करते हुए चुनाव से सम्बन्धित निर्देश दिए।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर गुरुवार रात में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था गौतमबुद्धनगर शिवहरि मीणा सड़कों पर नजर आए। उनके द्वारा थाना सेक्टर 63, सेक्टर 58 व थाना फेस 3 क्षेत्रान्तर्गत एडीसीपी सेन्ट्रल नोएडा और एसीपी द्वितीय नोएडा व थाना प्रभारियों व पुलिस बल के साथ कमिश्नरेट में लगने वाले बार्डर व अन्य स्थानों पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चेकिंग करते हुए आगामी चुनाव से सम्बन्धित आवश्यक निर्देश दिए गए।

नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई

इस दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा संदिग्ध प्रतीत हो रहे वाहनों की रोककर तलाशी ली गई है और नियमों का पालन न करने वाले लोगों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई भी की गई है। नागरिकों के साथ संवाद करते हुए सभी लोगों को पुलिस का सहयोग करने एवं कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखने पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना देने के लिए बताया गया है। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को भी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने का निर्देश दिया। चुनाव के लिए बाहरी जिलों से आने वाले फोर्स के ठहरने के लिये उचित व्यवस्था हेतु स्थानों का निरीक्षण किया।

मकान का ताला तोड़कर नगदी और जेवरात चोरी

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के तिलपता गांव में एक मकान का ताला तोड़कर चोर नगदी और जेवरात चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तिलपता गांव में सुशील कुमार परिवार के साथ रहते हैं। सुशील ने पुलिस को बताया कि बुधवार को वह और उनकी पत्नी ड्यूटी पर गए थे। बच्चे अपने स्कूल चले गए। इस बीच चोरों ने मौका पाकर घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर घर से सोने व चांदी के आभूषण, नगदी और गैजेट्स समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि किसी ने रेकी कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर छात्रा को किया ब्लैकमेल, गिरफ्तार

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। बीबीए छात्रा की अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने दोस्त अमानुल्लाह फारूकी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि थाना सिविल लाइन, अलीगढ़ निवासी फारूकी ने अश्लील फोटो-वीडियो दिखाकर उसे होटल बुलाया और संबंध बनाने को मजबूर किया। विरोध पर आरोपी ने युवती को प्रताड़ित किया।

मूल रूप से जमशेदपुर, झारखंड निवासी युवती ग्रेनो के एक निजी कॉलेज में बीबीए की छात्रा है। सोशल मीडिया के जरिये एक साल पहले उसकी दोस्ती अमानुल्लाह से हुई थी। छात्रा का आरोप है कि बातों में फंसाकर अमानुल्लाह ने उसकी न्यूड फोटो और वीडियो बना लिए। बाद में इन फोटो और वीडियो के आधार पर ब्लैकमेल करने लगा और होटल में बुलाया। यहां पर आरोपी ने संबंध बनाने की कोशिश की, लेकिन शोर मचाने पर छोड़ दिया।

इसके बाद आरोपी ने एक बार फिर से फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे दिल्ली के होटल में बुलाया। यहां पर भी संबंध बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर छात्रा के कपड़े फाड़ दिए। 13 मार्च को आरोपी ने हॉस्टल के बाहर छात्रा की पिटाई की।

इसके बाद अमानुल्लाह ने फोटो और वीडियो छात्रा की मां और अन्य परिजनों को भेज दिए। आरोपी के भाई ने पीड़ित परिवार को व्हाट्सएप पर अश्लील संदेश भेजे। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अगस्त 2019 के बाद की स्थिति स्वीकार्य नहीं : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में वोट मांगने का पार्टी का मुख्य उद्देश्य संसद के माध्यम से देश को यह बताना है कि 2019 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके साथ क्या किया है ।अनुच्छेद 370 को हटाना हमें स्वीकार्य नहीं है।

मुफ्ती श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार वहीद पारा के समर्थन में पुलवामा में एक रैली को संबोधित कर रही थीं ।उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच संसद में लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्पारा की उम्मीदवारी महत्वपूर्ण है।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा पीडीपी का वोट मांगने का मुख्य उद्देश्य संसद के माध्यम से देश को यह बताना है कि 2019 में (जब जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर दिया गया था) भाजपा ने हमारे साथ जो किया वह हमें स्वीकार्य नहीं है।

एकतरफा फैसले, जायज़ आवाज़ों को दबाना और संवैधानिक गारंटी का क्षरण जम्मू-कश्मीर के लोगों को अस्वीकार्य है। ये बात हम संसद में देश की जनता को बताएंगे, यही कारण है कि हमारे वोटों को विभाजित करने के

प्रयासों को विफल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पारा आवाजों का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ उन जड़ों से संबंध बनाए रखने में सक्षम हैं जो उन्होंने शुरुआत से ही पार्टी के युवा नेता के रूप में विकसित की थीं ।पूर्व मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर की वर्तमान स्थिति की गंभीर तस्वीर पर प्रकाश डाला और पूर्ववर्ती राज्य को खुली हवा वाली जेल में बदलने पर अफसोस जताया। उन्होंने लोगों की दुर्दशा, विभिन्न राज्यों की जेलों में बंद युवाओं और बढ़ती बेरोजगारी दर पर प्रकाश डाला।

मुफ्ती ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उन पर जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों और संसाधनों को छीनने और उन्हें बंधुआ मजदूरी की स्थिति की ओर धकेलने का आरोप लगाया ।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय परीक्षा का समय है।

नाबालिग से बलात्कार के दोषी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

दरभंगा। बिहार में दरभंगा जिले की एक अदालत ने मासूम बच्ची के साथ बलात्कार करने के मामले में दोषी युवक को 20 वर्ष का सश्रम कारावास और बीस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनायी है। दरभंगा जिले के पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रतिमा परिहार की अदालत ने सदर थाना क्षेत्र के एकभिण्डा गांव निवासी संतोष पासवान को एक मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के जुर्म में शुक्रवार को बीस वर्ष की सश्रम कारावास और बीस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक विजय कुमार पारिजात ने बताया कि 28 मार्च 2021 को अभियुक्त ने एक तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

लोकसभा चुनाव : भाजपा की कश्मीर में जमीन नहीं बची है : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कश्मीर में जमीन नहीं बची है इसलिए वह पीछे से हालात की कमान संभाल रही है।

श्री अब्दुल्ला ने कहा ,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाल के बयान से साफ पता चलता है कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद भाजपा लोगों का दिल नहीं जीत सकी है। अगस्त 2019 के बाद यह पहला लोकसभा चुनाव है। भाजपा ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जम्मू-

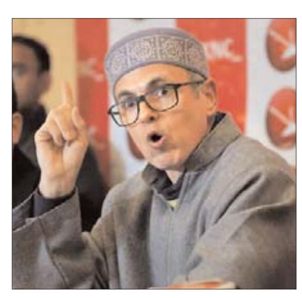

कश्मीर की सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। अब गृह मंत्री बोल रहे हैं कि हम पहले लोगों का दिल जीतेंगे और बाद में उम्मीदवार उतारेंगे।

उन्होंने कहा कि इसका सीधा मतलब है कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों का दिल जीतने में असफल रहे हैं। वर्ष 2019 के फैसले के बाद लोग गुस्से में हैं और अलग-थलग पड़ गए हैं। श्री अब्दुल्ला ने कहा, हम कोशिश करेंगे कि दक्षिण, मध्य और उत्तर कश्मीर के हमारे तीन उम्मीदवार सफलतापूर्वक मतदाताओं का दिल जीतें ।भाजपा जम्मू-कश्मीर में प्रॉक्सी उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अगर भाजपा मैदान छोड़ देती तो इसका मतलब कुछ होता, लेकिन ऐसा नहीं है और वह पीछे से स्थिति की कमान संभाल रही है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नौ ड्रग तस्करों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग और बारामूला जिलों में मादक पदार्थ के नौ तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किये।

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पांच थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ सात तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने वाघामा बिजबेहारा के रहने वाले फिरोज अहमद राथर और ऐजाज अहमद मंटू नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से लगभग नौ किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया, जबकि नागम कोकरनाग के सुहैल अहमद डार और वॉटनार्ड कोकेरनाग के रेयाज़ अहमद मीर के कब्जे से 16.450 किलोग्राम भांग पाउडर बरामद किया गया।

उत्तरासू में पुलिस ने ऐशमुकाम से शकील अहमद वानी को गिरफ्तार किया और उसके पास से लगभग 21 ग्राम चरस, 350 ग्राम डोडा पोस्त और 10,000 रुपये नकद बरामद किए। पुलिस ने येन्नेर पहलगाम के गुलाम नबी भट के रूप में पहचाने गए एक और व्यक्ति को लगभग चार किलोग्राम डोडा पोस्त और 1.25 किलोग्राम भांग बूसा के साथ पकड़ा। पुलिस ने वाघामा बिजबेहरा निवासी इंद्राज अहमद थोकर के कब्जे से करीब पांच किलो भांग पाउडर बरामद किया। सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और जिले के पांच संबंधित थानों में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किये गये हैं।

शार्ट न्यूज

160वीं जयंती पर डीएवी स्कूलों के संस्थापक महात्मा हंसराज को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

नेशनल एजुकेशनल मीडिया नेटवर्क के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हंसराज कालेज के पूर्व छात्र शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में आर्य समाज के दैदिप्यमान नक्षत्र महात्मा हंसराज की 160वीं जयंती के अवसर महात्मा हंसराज को कृतज्ञ राष्ट्र की और से अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि भारत में सर्वप्रथम.पंजाब प्रांत में स्वामी दयानंद की स्मृति में दयानंद ऐंग्लो वैदिक विद्यालयों, डीएवी स्कूलों और कालेजों के स्थापना करने वाले महात्मा हंसराज ही थे। उन्होने आजीवन अवैतनिक रहकर शिक्षण कार्य किया। देश में शैक्षिक क्रांति लाने में आज डीएवी भारत की सबसे बडी संस्था है। जिसके हजारों स्कूल, कालेज और अपनी यूनिवर्सिटी भी है। महात्मा हंसराज ने देश में आई सभी आपदाओं के समय लोगों की भरसक मदद की। उनका जीवन सदैव समाजसेवा और परोपकार में बीता। उनका मानना था कि देश में हर आदमी उन्नति करे तभी सबका भला होगा।

केजरीवाल की डाइट मामले में ईडी पर मीडिया ट्रायल का आरोप

नई दिल्ली। जेल में आम व मिठाई खाने के मुद्दे पर शुक्रवार को अदालत में ईडी और केजरीवाल के वकीलों में जमकर बहस हुई। केजरीवाल के वकीलों ने आम खाने की खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित होने के पीछे ईडी का हाथ बताते हुए मीडिया ट्रायल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ईडी खबरों को प्रकाशित करवाने में सक्षम है, लेकिन ईडी तय नहीं कर सकती कि उनके मुवक्किल को क्या खाना है और क्या नहीं। ये मामला जेल प्रशासन और केजरीवाल के बीच का है। शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष ईडी की आपत्तियों को सांविधानिक अधिकारों से जोड़ते हुए केजरीवाल के वकील एएम सिंघवी ने कहा कि ईडी ने आम को चीनी की गोलियों जैसा बना दिया है और केजरीवाल को जेल में केवल एक बार नवरात्र प्रसाद के रूप में आलू पूड़ी भेजी गई थी। कैदी होने का मतलब यह नहीं है कि केजरीवाल को स्वास्थ्य का अधिकार नहीं है। क्या वे एक गैंगस्टर हैं। उन्हें अपने डॉक्टर के साथ रोजाना 15 मिनट की वीडियो कांफ्रेंसिंग की अनुमति नहीं मिल सकती। हमारे यहां 75 साल से लोकतंत्र है, लेकिन मैंने इस तरह की तुच्छता कभी नहीं सुनी, देखी भी नहीं। वहीं, वरिष्ठ वकील रमेश गुप्ता ने भी कहा कि डाइट मामले में ईडी की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि मामला मुख्यमंत्री और जेल अधिकारियों के बीच का है। ईडी को यहां क्यों होना चाहिए।

डायटिशियन की निगरानी में दें केजरीवाल को खाना

नई दिल्ली। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शुक्रवार को सुझाव दिया है कि तिहाड़ में केजरीवाल को डाइट एक्सपर्ट की सलाह से ही खाना दिया जाए। आप उनकी बीमारी से भी राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। कोर्ट ने केजरीवाल को घर का खाना खाने की छूट दी है, लेकिन ईडी की सूचना के अनुसार वह जिस प्रकार का खाना खाने के साथ-साथ अन्य वस्तुओं का सेवन कर रहे हैं, वह उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। इससे उनका शूगर लेवल बढ़ने की आशंका है। इसी शूगर लेवल के आधार पर वह जमानत की अर्जी भी दाखिल करना चाहते हैं। आप नेता उनकी बीमारी का मुद्दा उठाकर पहले भी दोषारोपण कर चुके हैं। ऐसी स्थिति में तिहाड़ जेल प्रशासन को एक डायटिशियन की नियुक्ति करनी चाहिए। केजरीवाल के घर से आने वाला खाना उनकी निगरानी में ही तैयार हो और वही दिया जाए। केजरीवाल जानबूझकर मिठाई का सेवन कर रहे हैं। एक सामान्य व्यक्ति भी जानता है कि मीठा खाने से शूगर लेवल बढ़ता है, लेकिन केजरीवाल मधुमेह रोगी मरीज होने के बावजूद ऐसा कर रहे हैं। इससे जाहिर है कि वह जानबूझकर ही ऐसा कर रहे हैं। शूगर लेवल बढ़ने के बाद वह आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें दवाई नहीं दी जा रही।

गैर-संचारी रोगों पर लगाम लगा सकता है स्वस्थ लिवर

नई दिल्ली। जीवन शैली को सुधार कर लिवर को स्वस्थ रखा जा सकता है। यदि लिवर स्वस्थ रहा तो गैर-संचारी रोग भी कम होंगे। लेकिन बढ़ते मरीजों की संख्या कुछ और कह रही है। दिल्ली सहित देश में तेजी से फैटी लिवर की समस्या बढ़ रही है। इसे लेकर विश्व लिवर दिवस के अवसर पर लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें लिवर से जुड़ी बीमारियों को लेकर जागरूकता पर जोर दिया गया तो, रोगी के अनुभवों के माध्यम से लिवर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर गहन मंथन हुआ। कार्यक्रम के दौरान आईएलबीएस के निदेशक और चांसलर डॉ. शिव कुमार सरीन ने कहा कि लिवर शरीर का गुमनाम नायक है, जो चुपचाप महत्वपूर्ण कार्य करता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए लिवर के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि इसका असर हमारे शरीर के विभिन्न पहलुओं पर पड़ता है। लोगों में तेजी से बढ़ते फैटी लिवर रोग की समस्या गैर-संचारी रोगों के साथ जुड़ाव के कारण तेजी से चिंता का कारण बनती जा रही है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद पॉल ने कहा कि लिवर की समस्या को दूर करने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। इसके निदान, उपचार और सार्वजनिक जागरूकता अभियानों को बढ़ाया गया है।

नुक्कड़ नाटक से प्रचार को धार देगी भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा की 163 टीमें 1 से 23 मई तक सातों सीटों पर 8000 नुक्कड़ नाटक करेंगी। टीमें शहरी इलाके में अंग्रेजी व अनधिकृत कॉलोनियों में प्रादेशिक भाषाओं में प्रधानमंत्री के विकास के संदेश व केजरीवाल सरकार की कमियों से जनता को रूबरू कराएंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी कार्यालय के बाहर नुक्कड़ नाटक का ट्रॉयल देखा। इस दौरान चुनाव संचालन समिति प्रमुख अजय महावर, सह प्रमुख योगिता सिंह एवं गजेंद्र यादव, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर एवं विक्रम मित्तल के अलावा नुक्कड़ नाटक समिति के प्रमुख सदस्य अनुज शर्मा के साथ ही पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर सचदेवा ने बताया कि नुक्कड़ नाटकों के साथ ही पपेट शो, मैजिक शो, कवि गोष्ठी, म्यूजिक बैंड, फ्लैश मॉब से मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाया जाएगा। इसके अलावा केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की भी पोल खोली जाएगी। नाटकों के कुछ शो अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषाओं में भी होंगे। यह सांस्कृतिक अभियान एक मई को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में प्रारंभ होगा। इससे पहले 21 अप्रैल को आईजी स्टेडियम में मंदिर प्रकोष्ठ के माध्यम से कार्यक्रम होगा। इसमें भजन गायक हंसराज रघुवंशी प्रस्तुति देंगे और विकसित भारत का संदेश दिया जाएगा।

आरएमएल में रेफर मरीजों को ही मिलेगी सुपर स्पेशियलिटी सुविधा

नई दिल्ली। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में दिल, मस्तिष्क, फेफड़े सहित दूसरे गंभीर रोगों का इलाज करवाने आ रहे मरीजों को भीड़ से जल्द राहत मिलेगी। अस्पताल प्रशासन ने सुपर स्पेशियलिटी विभागों में अनावश्यक भीड़ को कम करने के लिए केवल रेफर मरीजों का इलाज करने का निर्णय लिया है। ऐसा करने से करीब 10 से 12 फीसदी अतिरिक्त गंभीर मरीजों को मौका मिल सकेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय सुपर स्पेशियलिटी विभागों में ऐसे मरीज भी इलाज करवाने आ रहे हैं जिनका उपचार सामान्य विभागों में हो सकता है। यह मरीज डॉक्टर के पास पहुंचते हैं और स्क्रीनिंग के दौरान उन्हें वापस सामान्य विभाग में भेजना पड़ता है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. अजय शुक्ला ने कहा कि गंभीर मरीजों को राहत देने के लिए केवल रेफर मरीजों का ही सुपर स्पेशियलिटी विभागों में इलाज करने का फैसला लिया है। सामान्य विभाग में इलाज के दौरान यदि डॉक्टर को लगता है तो वह मरीज को सुपर स्पेशियलिटी विभाग के लिए रेफर कर सकते हैं। दूसरे अस्पताल से आने वाले मरीजों को भी रेफर पर्ची साथ में लानी होगी।

कभी निराशा में छोड़ दी थी पढाई, फिर पहले ही प्रयास में बन गए सीए

आज अपने काम के अलावा समाजसेवा और स्टूडेंट्स की मदद भी करते हैं श्रीराम

नई दिल्ली। कौन कहता है कि आसमां में छेद हो नहीं सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों कभी निराशा में सीए की पढाई छोड़ देने वाले श्रीराम अटल ने इस कहावत की तर्ज पर वापसी करते हुए 22 साल की उम्र में पहले ही प्रयास में सीए की परीक्षा पास की और सीए बन गए। सीए इंटर का रिजल्ट उनकी जिंदगी में टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने दुगुने जोश से सीए की पढाई की और पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की7आइए जानते हैं सीए श्रीराम अटल की सक्सेस स्टोरी

परिवार में सबसे छोटे हैं श्रीराम

श्रीराम राजस्थान के एक छोटे गाँव निम्बी जोधा से हैं। उनके पिता श्री गौरीशंकर अटल पहले पत्रकारिता में थे, बाद में वे एक डीड राइटर बन गए। माता-पिता के अलावा घर में वे 5 भाई-बहन हैं। श्रीराम घर में चार बहनों के बाद सबसे छोटे हैं। डीड राइटर के काम से इतने बड़े परिवार का पालन-पोषण काफी मुश्किल से हो पाटा था, लेकिन पिता ने सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों की पढाई में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी। बचपन में जब श्रीराम दुसरे बच्चों को साइकिल पर देखते थे, तो उनका भी बहुत मन होता था, लेकिन घर की तंगहाली को देखते हुए उन्होंने कभी किसी से कुछ नहीं कहा।

पढाई में थे होशियार, पिता बने प्रेरणास्रोत

श्रीराम बचपन से ही पढाई में बहुत होशियार थे। इसका अंदाज़ा इसी बात

से लगाया जा सकता है कि कक्षा 9 से लेकर सीए तक वे तमाम परीक्षाओं में टॉपर रहे। बारहवीं कक्षा में तो राजस्थान में उनकी 49वी रैंक रही। इसके बाद साल 2001 से लेकर साल 2005 तक उन्होंने पिता के साथ डीड राइटिंग का काम भी किया। पढाई में उनके बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए उनके पिता ने उन्हें सीए बनने के लिए प्रेरित किया।

सीए शुरू किया, निराशा में छोड़ी पढाई, सीए इंटर के रिजल्ट ने बदली जिंदगी

पिता के कहने पर सीए इंटर की पढाई करने श्रीराम कोलकाता पहुंचे। लेकिन उनके पास महंगी कोचिंग और हॉस्टल की फीस के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने एक किफायती छात्रावास में इंटरव्यू दिया और उन्हें वहां दाखिला मिल गया। लेकिन उनके आसपास के लोग उनसे कहते थे कि सीए सबके बस की बात नहीं है। लोग सालों तक मेहनत करने के बाद थक-हारकर पढाई छोड़ देते हैं। श्रीराम ने मेहनत करके जैसे-तैसे सीए इंटर की परीक्षा दी। लेकिन निराश हो कर पिता का हाथ बंटाने के उद्देश्य से गाँव लौट गए। तभी दो महीने बाद सीए इंटर का रिजल्ट आया। श्रीराम ने पहले प्रयास में ही अच्छे अंकों से परीक्षा पास कर ली थी। परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं था, सभी ने उनकी हौंसला अफजाई की। यहीं से उनकी जिंदगी बदली और उन्होंने ठान लिया कि अब सीए ही बनना है। इसके बाद सीए फाइनल की तैयारी के लिए वे दिल्ली आ गए।

सुबह क्लास, शाम को पार्ट टाइम जॉब

बिना रेफरेंस के आर्टिकलशिप मिलने में श्रीराम को काफी दिक्कतें आईं। लेकिन आर्टिकलशिप मिलने के बाद उनकी दिनचर्या काफी व्यस्त हो गई। वो सुबह 5 बजे उठते। 6 बजे से 10 बजे तक कोचिंग क्लास जाते। वहां से सीधे आर्टिकलशिप पर जाते। वहां से निकलकर शाम को दो दुकानों पर खाते देखने की पार्ट टाइम जॉब करते। इसके बाद घर आकर खाना खाकर फिर 3 घंटे पढाई करते।

सीए बने, जॉब की, अपनी फर्म बने, अब समाजसेवा भी करते हैं

श्रीराम 2009 में सीए बने 2010 में कैंपस प्लेसमेंट के तहत उन्हें भूषण स्टील में असिस्टेंट मेनेजर की जॉब मिल गई। लेकिन कुछ वर्ष बाद अपना कुछ करने की छह में 14 लाख रूपए के पैकेज की जॉब छोड़ कर अपनी सीए फर्म शुरू की। उनकी कंपनी आज 3 राज्यों में काम कर रही है। श्रीराम अब अपने काम के अलावा तमाम तरह की समाजसेवा में जुटे हैं, साथ ही वे स्टूडेंट्स की मदद भी करते हैं।

जेल में केजरीवाल को नहीं दी जा रही इंसुलिन

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मोदी सरकार के इशारे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जीवन के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जेल में उनको इंसुलिन नहीं दी जा रही है।

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि भरतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्य पद्धति और और उनके नेता जिस तरह से काम करते हैं, वह किसी की जान लेने की हद तक षड़यंत्र रच सकते हैं। केजरीवाल के खिलाफ चल रही कार्रवाई को देखकर कह सकता हूं कि उनके खिलाफ गहरी साजिश रची गई है और जेल में उनके साथ किसी भी

तरह का हादसा हो सकता है। तीन बार के निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री से उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मुलाकात आतंकवादियों की तरह कराई जाती है। सिंह ने कहा कि जेल के नियमों के मुताबिक किसी भी कैदी के बारे में उसके स्वास्थ्य और खानपान से संबंधित कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को किस आधार पर श्री केजरीवाल के झूठे डाइट चार्ज को मीडिया में प्रचारित करवाया। इसके पीछे क्या साजिश है? क्या जेल प्रशासन से मिलकर ईडी श्री केजरीवाल को किसी बहाने जहर देकर मारने की साजिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से केजरीवाल शुगर के मरीज हैं और इंसुलिन लेते हैं। किसी भी शुगर के मरीज के लिए इंसुलिन बहुत महत्वपूर्ण दवा होती है। अगर समय पर उसे इंसुलिन न दी जाए तो उसकी जान जा सकती है। प्रधानमंत्री और भाजपा के इशारे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बड़े-बड़े अपराधी का इलाज एम्स जैसे बड़े अस्पतालों में होता है, लेकिन तीन बार से निर्वाचित मुख्यमंत्री को जेल प्रशासन इंसुलिन मुहैया नहीं करा रहा है।

आप नेता ने कहा कि हम जल्द ही राष्ट्रपति और चुनाव आयोग से श्री केजरीवाल की जिंदगी के साथ हो रहे खिलवाड़ की शिकायत करेंगे। हमारे नेता को बदनाम करने और उनकी जिंदगी से खिलवाड़ करने की साजिश में शामिल जेल प्रशासन और ईडी के अधिकारियों के निलंबन की मांग करेंगे।

गाजियाबाद में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना मसूरी में बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। मसूरी थाना क्षेत्र में पुलिस चेकिंग कर रही थी इसी दौरान एक पिकअप वैन को जब रोकने की कोशिश की तो पिकअप चालक वाहन को मोड़कर पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस ने भी पीछा किया और जवाबी फायरिंग में एक बदमाश घायल हुआ है। कुल दो बदमाश पकड़े गए हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे, तीन कारतूस, एक पिकअप गाड़ी, 8 क्विंटल अवैध मांस और पशु कटान के उपकरण बरामद किए हैं। गाजियाबाद में एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को थाना मसूरी क्षेत्र में पुलिस शांति व्यवस्था और आगामी चुनाव के मद्देनजर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सफेद रंग की एक पिकअप वैन में दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उसे चेकिंग के लिए रोकने की कोशिश की तो पिकअप सवार फरार होने लगे। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस पर फायरिंग भी की। पुलिस ने पीछा किया और जवाबी फायरिंग में एक बदमाश शहजाद उर्फ छोलसिया मुठभेड़ में घायल हुआ है। वहीं, दूसरे बदमाश सद्दाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

महिला आयोग का महिला के साथ दरिंदगी पर नोटिस

नयी दिल्ली । राष्ट्रीय महिला आयोग ने मध्यप्रदेश में एक महिला के साथ दरिंदगी होने पर राज्य पुलिस महानिदेशक को नोटिस भेजकर तीन दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने को कहा है। महिला आयोग ने शुक्रवार को यहां बताया कि महिला आयोग इस हिंसक, क्रूर और विभत्स घटना की कड़ी निंदा करता है। रिपोर्ट के अनुसार 23 वर्षीय एक महिला के साथ लगातार दुष्कर्म किया गया और उसके होंटो को गोंद से चिपका दिया गया। महिला को एक महीने तक एक कमरें में बंद रखा गया और उसके साथ

लगातार दुष्कर्म किया गया। महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने पुलिस महानिदेशक को लिखे एक पत्र में इस मामले पर तुरंत, तीव्र और निर्णायक कार्रवाई करने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि इस मामले में कार्रवाई रिपोर्ट, प्राथमिकी और चिकित्सकीय रिपोर्ट तीन दिन के भीतर आयोग को भेजी जानी चाहिए।

21 अप्रैल को दिल्ली भाजपा मंदिर प्रकोष्ठ मनाएगा हिंदू नववर्ष

- प्रसिद्ध गायक हंसराज रघुवंशी सहित 5000 से अधिक संत महात्माओं को लेकर 31000 से अधिक सनातनी एक साथ गाएंगे हनुमान चालीसा : करनैल सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा मंदिर प्रकोष्ठ द्वारा 21 अप्रैल को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हिंदू नववर्ष उत्सव मनाया जा रहा है जिसकी तैयारियों को लेकर भाजपा के मीडिया प्रमुख श्री प्रवीण शंकर कपूर एवं मंदिर प्रकोष्ठ के संयोजक श्री करनैल सिंह ने आज मीडिया से बात करते हुए कहा कि दिल्ली ही नहीं बल्कि देशभर में अगर लोग अंग्रेजी का नया साल, क्रिसमस डे इत्यादी मनाते हैं तो लोगों को हिंदू नवर्ष को मनाना चाहिए और इसी को लेकर दिल्ली भाजपा हर साल हिंदू नववर्ष का कार्यक्रम धूमधाम से मनाएगी।

पत्रकार सम्मेलन में मीडिया रिलेशन विभाग प्रमुख श्री विक्रम मित्तल भी मौजूद थे।

करनैल सिंह ने कहा कि देश के 31 बड़े महामंडलेश्वर सहित 5000 से अधिक संत महात्मा इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसके अलावा प्रसिद्ध गायक हंसराज रघुवंशी सहित 35000 से अधिक सनातनी इस कार्यक्रम में अलग अलग जगहों से आने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा सहित कई केन्द्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपनी संस्कृति के बारे में आने वाले युवाओं को जागरुक करना और साथ ही एक संदेश लोगों के बीच पहुंचाना कि आखिर इसकी क्या महत्वता है। यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा जब एक छत के नीचे 35000 से अधिक लोग हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे।

मुख्यमंत्री केजरीवाल की सेहत पर सियासत गर्माई, उपराज्यपाल ने 24 घंटे में रिपोर्ट मंगवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की जेल में सेहत को लेकर राजधानी के सियासत गर्मा गई है। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री को इंसुलिन देने के मामले में जेल के डीजी से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है। एलजी ने मंत्रियों और आप नेताओं के बयानों पर आधारित रिपोर्टों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसमें कहा गया कि जेल में केजरीवाल को इंसुलिन नहीं दिया जा रहा।

इस आरोप के बाद उपराज्यपाल ने जेल के डीजी से तथ्यात्मक और व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। साथ ही, उन्होंने कहा है कि जेल एक हस्तांतरित विषय के रूप में सीधे और पूरी तरह से दिल्ली सरकार के अधीन आता है। उपराज्यपाल ने आश्वासन दिया है कि सीएम के स्वास्थ्य के संबंध में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सिर्फ दो दिन जेल में किया नाश्ता : तिहाड़

तिहाड़ में बंद केजरीवाल की सेहत के मामले में जेल अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने सिर्फ दो दिन जेल का नाश्ता किया है। इसके बाद से खाने से लेकर जरूरी चीजें उनके घर से मंगाई जा रही हैं।

जेल प्रशासन के सूत्रों का कहना है कि अदालत ने केजरीवाल को दिन व रात का खाना घर से मंगाने की अनुमति दी थी, लेकिन बाद में नाश्ता भी घर से मंगाने की अनुमति मिल गई।

ऐसे में खाने के अलावा नाश्ता, पानी व इंसुलिन सहित तमाम दवाइयां घर से ही आ रहीं हैं। मधुमेह की जांच के लिए डॉक्टर जेल के उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं।

जेल में सभी कैदियों के लिए एक जैसी भोजन की व्यवस्था है। स्वास्थ्य से जुड़ी कोई परेशानी होने पर चिकित्सक की सलाह पर डाइट के मुताबिक खानपान की व्यवस्था की जाती है। केजरीवाल का शुगर लेवल ठीक है जो कभी भी 300 तक नहीं पहुंचा। जेल में दो डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रहे हैं।

जेल से बाहर आने की तरकीब निकाल रहे सीएम

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल एक सोची समझी नीति के तहत जेल से बाहर निकलना चाह रहे है। वह अपना वजन बढ़ा रहे हैं ताकि मेडिकल आधार पर जमानत मिल सके। जांच एजेंसी ने जो जानकारी न्यायालय को दी है, वह चौंकाने वाली है। जेल में रहते हुए उनका वजन एक किलो बढ़ा है। टाइप-2 डायबिटीज होने के बावजूद सीएम जेल में लगातार घर से मिठाई और आम मंगवा रहे हैं। केजरीवाल को इस बात की जानकारी है कि जो सबूत जांच एजेंसियों के हाथ लगे हैं वह उनके खिलाफ है।

ईडी ने झूठ बोला, सीएम को मारने की साजिश : आतिशी

मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि ईडी ने केजरीवाल के आहार को लेकर कोर्ट में झूठ बोला है कि वह चीनी वाली चाय पी रहे हैं और आम व मिठाई खा रहे हैं।

यह पूरी तरह से झूठ है। केजरीवाल कृत्रिम स्वीटनर ले रहे हैं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि केजरीवाल केले खा रहे हैं।

कोई भी डॉक्टर आपको बता देगा कि डायबिटीज के रोगियों को केला या कोई टॉफी या चॉकलेट अपने पास रखने के लिए कहा जाता है, क्योंकि शुगर के स्तर में गिरावट जीवन के लिए खतरनाक हो सकती है। ईडी ने कहा कि केजरीवाल आलू पूड़ी खा रहे हैं।

इतना झूठ बोलने के लिए ईडी को भगवान से डरना चाहिए। उन्होंने सिर्फ नवरात्रि के पहले दिन ही पूड़ी खाई थी।

भाजपा अपनी विंग ईडी के जरिये केजरीवाल की सेहत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है। वे केजरीवाल को जेल में घर का बना खाना देने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं।

एक बार जब घर का खाना बंद हो जाएगा तो यह पता नहीं चलेगा कि केजरीवाल को जेल में क्या खिलाया जा रहा है और कब। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से केजरीवाल का शुगर लेवल 300 से अधिक है, लेकिन तिहाड़ जेल अधिकारियों ने उन्हें इंसुलिन देने से इन्कार कर दिया है।

केजरीवाल के घर में बने खाने की आपूर्ति बंद कर उन्हें मारने की साजिश की जा रही है।

पहले अगवा कर पीटा, फिर चाकू मारकर ली जान

आपत्तिजनक वीडियो बताया जा रहा मौत का कारण

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में लड़कों की आपत्तिजनक वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने वाले एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त अशोक उर्फ ठंडा पानी (27) के रूप में हुई है। अशोक के खिलाफ पहले से 21 आपराधिक मामले दर्ज थे। वह मयूर विहार थाने का घोषित बदमाश था।

वह इसी दबगई का फायदा उठाकर एरिया के लड़कों पीटने के अलावा उनको मुर्गा बना देता था। बाद में उनसे चप्पल-जूते चटवाने के अलावा जमीन पर नाक रगड़वाता था। बुधवार को ही अशोक ने 29 और 31 ब्लॉक के लोगों को गाली-गलौज का एक वीडियो बनाकर पोस्ट किया था। उसी दिन शाम को इसका कत्ल कर दिया गया।

आरोपियों ने अशोक को कार में अगवा कर जमकर पीटा। बाद में चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। हमले के दौरान अशोक के दो दोस्त सुहेल उर्फ 600 और समीर उर्फ नल्ली को भी चाकू लगा। दोनों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि उनकी टीम को बुधवार रात करीब 8.15 बजे एलबीएस अस्पताल से अशोक की हत्या का पता चला था। तुरंत अधिकारी वहां पहुंचे। छानबीन

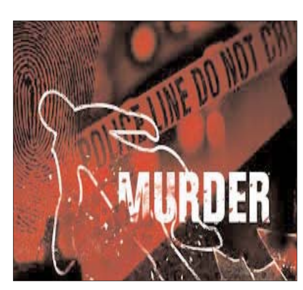

के दौरान पुलिस को पता चला कि 31 ब्लॉक के चौक पर कुछ युवकों ने अशोक और उसके दो दोस्तों को चाकू मार दिया था। हमले में उसके दो दोस्तों के जख्मी होने का पता चला। अस्पताल ले जाने पर अशोक को मृत घोषित कर दिया गया जबकि बाकी दोनों का अभी अस्पताल में इलाज जारी है।

सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पर क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को बुला लिया गया। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

छानबीन के दौरान पुलिस टीम को स्थानीय लोगों ने ठंडा पानी की हरकत की जानकारी दी। इसके बाद उसके इंस्टाग्राम अकाउंट की पड़ताल की गई, जहां आरोपी लड़कों को मुर्गा बनाकर उनको पीटता हुआ दिखता है। पुलिस आशंका जता रही है कि इसका बदला लेने की नीयत से किसी ने वारदात को अंजाम दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कुछ आरोपियों की पहचान भी कर ली गई है।

संपादकीय

गर्मी की मार

जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण गर्मी के साथ अनियमित एवं चरम मौसमी घटनाएं देश के हर हिस्से और क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं प्रचंड गर्मी सभी वर्गों के लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य और खुशहाली को प्रभावित करती है। सक्षम कामकाजी वयस्क-किसान, निर्माण श्रमिक, मोची, रेहड़ी-पटरी वाले, डिलीवरी बॉय भी प्रभावित होते हैं और इसका अर्थव्यवस्था, कृषि, भोजन, पोषण आदि पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। हालांकि हरेक राजनीतिक दल चुनावी मौसम में गरीबों की बात करता है, लेकिन कितने राजनेता सार्वजनिक रूप से मानते हैं कि गर्मी बेशक हर किसी को प्रभावित करती है, लेकिन यह सबको समान रूप से प्रभावित नहीं करती है। देश के लाखों गरीब, जो हमारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं, वातानुकूलित घरों या पर्याप्त हरियाली वाले हरे-भरे इलाकों में नहीं रहते हैं। वे घरों के अंदर नहीं रह सकते, जैसा कि गर्मी बढ़ने पर सलाह दी जाती है या बर्फ वाला शीतल पानी नहीं पी सकते या लंबे समय तक छाया में नहीं रह सकते। वे घरों से बाहर काम करते हैं। गहरी असमानताओं वाले देश में अत्यधिक गर्मी का लोगों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। लेकिन जिन्हें चिलचिलाती गर्मी में बाहर रहकर काम करना पड़ता है, उन गरीबों के लिए क्या किया जाएगा, इस पर राजनेताओं के बीच कोई चर्चा नहीं हो रही है।

पिछले दिनों, क्लाइमेट कैंपेनर अविनाश चंचल ने एक्स (पहले ट्विटर) पर कुछ कटु सच्चाइयों को उजागर किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में गर्मी के कारण 530 मौतें हुईं, वर्ष 2021 में 374 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 730 मौतें हुईं। जैसा कि चंचल ने आगे बताया, फिर भी, लू राष्ट्रीय आपदा नहीं है। हालांकि हमारे देश में हीट ऐक्शन प्लान हैं, लेकिन इससे जुड़ी सेवाओं के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई विशेष फंड नहीं है। माना जाता है कि देश में लू के कारण मरने वालों की संख्या इससे बहुत ज्यादा हो सकती है, क्योंकि बहुत-सी ऐसी मौतों की सूचना विभिन्न कारणवश दर्ज नहीं हो पाती है। एनसीआरबी ने 'प्राकृतिक कारणों से दुर्घटनाएं' शीर्षक के तहत 8,060 मौतों की सूचना प्रकाशित की है, जिनमें से 35.8 फीसदी मौतें आकाशीय बिजली गिरने से, 9.1 फीसदी मौतें लू या भीषण गर्मी से और 8.9 फीसदी मौतें ठंड के कारण बताई गई हैं। क्या ये दुर्घटनाओं के कारण होने वाली आकस्मिक मौतें हैं या ये टाली जा सकने वाली मौतें हैं? क्या इन लोगों को बचाया जा सकता था? अत्यधिक गर्मी या लू से होने वाली मौतें महज आंकड़ा नहीं हैं। वे वास्तविक लोग थे, जिनका परिवार था। यही नहीं, गर्मी से संबंधित मौतें पूरी कहानी नहीं बतातीं, क्योंकि अत्यधिक गर्मी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जटिल बना देती है, भले ही उससे मौत न हो। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने एक अप्रैल को ही चेतावनी जारी कर दी थी। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनी से इस बार गर्मी में बढ़ते तापमान का पता चलता है, जिससे कई इलाकों में घातक लू की स्थिति भी है। हाल ही में आईएमडी ने हीट इंडेक्स लॉन्च किया है, जो उच्च तापमान पर आर्द्रता के प्रभाव के बारे में सूचना देता है और इस तरह से मनुष्यों को ऐसे तापमान का अहसास कराता है, जिसे मानव के लिए असुविधा के संकेत के रूप में देखा जाता है। यह असुविधा कम करने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत को रेखांकित है। लेकिन यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि एक ही शहर के भीतर सभी क्षेत्रों में समान रूप से गर्मी महसूस नहीं होती है।

लोगों के बीच आतंक फैलाने की कोशिश

पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच हताश आतंकियों ने अब राज्य के बाहर से आकर गुजारा करने वाले लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया है।

पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच आतंकियों पर शिकंजा कसा है। इसकी वजह से आतंकवादियों के बीच हताशा की स्थिति साफ देखी जा सकती है। शायद यही वजह है कि अब आतंकियों ने पहचान तय करके किसी साधारण व्यक्ति को मार डालने की नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है, ताकि सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जा सके।

मगर उनकी ऐसी बर्बरता और अपनी मंशा को पूरा करने के लिए मानवीयता के खिलाफ हर हद को पार करने की हरकतों से उनकी हकीकत का पता चलता है।

वरना क्या कारण है कि वहां अन्य राज्य से आकर कोई छोटा-मोटा काम करके गुजारा करने वाले गरीब लोगों या मजदूरों को भी मार डालने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। हालांकि आतंकवाद की जिस दृष्टि के साथ वे काम करते हैं, उसमें उनकी इस तरह की अमानवीय हरकतों पर हैरानी नहीं होती।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर लक्षित हत्या की घटना को अंजाम दिया। बुधवार को बिजबेहरा इलाके के जबलीपोरा में आतंकियों ने एक मजदूर को नजदीक से गोली मार दी। मारा गया व्यक्ति बिहार से वहां जाकर मजदूरी और अन्य काम करता था। केवल इस वर्ष निशाना बना कर किसी व्यक्ति को मार डालने की यह तीसरी घटना है।

पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच हताश आतंकियों ने अब राज्य के बाहर से आकर गुजारा करने वाले लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि उनका मकसद राजनीतिक नहीं है, बल्कि हिंसा और निर्दोष या मासूम लोगों की हत्या के जरिए आतंक फैलाना ही उनकी राजनीति है।

दरअसल, यह वारदात जिस अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में हुई, वहां सात मई को तीसरे चरण के तहत मतदान होना है और उम्मीद की जा रही है कि वहां लोग अपने मताधिकार का खुल कर प्रयोग करेंगे।

जाहिर है, बिहार से जम्मू-कश्मीर जाकर मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हत्या दरअसल स्थानीय लोगों के बीच भी दहशत फैलाने की कोशिश है, ताकि लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोका जा सके।

समस्या यह है कि आए दिन सरकार आतंकवाद का सामना करने और उसका खात्मा करने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरतने और आतंकियों का असर कम होने का दावा करती है।

निश्चित रूप से आतंकियों पर नकेल कसने में मदद मिली है। आतंकवादी संगठनों को अब पहले के मुकाबले स्थानीय लोगों का संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है।

ऐसी हत्याओं से सुरक्षा व्यवस्था के चौकस होने के सरकार के दावों पर भी सवाल उठते हैं। लक्षित हत्याओं की नई रणनीति से आए दिन बाहरी या फिर स्थानीय लोगों को जिस तरह पहचान कर निशाना बना कर मार डालने की घटनाओं के जरिए लोगों के बीच आतंक फैलाने की कोशिशों में जिस तरह बढ़ोतरी हुई है, उससे साफ है कि अभी आतंकियों का असर खत्म नहीं हुआ है।

किसी की पहचान तय करके उसे मार डालने का एक मकसद यह भी होता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में दूरी और संदेह का माहौल पैदा किया जाए, ताकि असुरक्षाबोध से घिरे लोगों का इस्तेमाल मन-मुताबिक किया जा सके। जाहिर है, सुरक्षा बलों को अब हालात के मुताबिक नई रणनीति के तहत आतंकियों के खिलाफ मोर्चा लेना होगा।

नक्सलवाद : आखिर कब थमेगी अपने ही युवाओं से खून की होली

योगेंद्र योगी

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित ज़िलों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित ज़िलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों-छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक-टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग ज़िले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को %नक्सलवाद% के नाम से जाना जाता है। ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडन् पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मज़दूरों और किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ ज़िम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और ज़मीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यत कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे ज़मीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहाँ जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहाँ न सड़कें हैं, न पीने के लिये पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ और न ही रोजग़ार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं। प्रशासन तक पहुँच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं। अशिक्षा और विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को मज़बूत बनाया है। नक्सलवादियों की सफलता की वज़ह उन्हें स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन रहा है, जिसमें अब धीरे-धीरे कमी आ रही है। सरकार नक्सली चरमपंथ से निबटने के लिये बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें सुरक्षा एवं विकास से संबंधित उपाय तथा आदिवासी एवं अन्य कमज़ोर वर्ग के लोगों को उनका अधिकार दिलाने से संबंधित उपाय शामिल हैं। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास, शिक्षा, ऊर्जा और डिजिटल संपर्कता का यथासंभव विस्तार करने के भी प्रयास कर रही है।

सरकार की इस नीति के परिणामस्वरूप नक्सलियों के हौसले कमज़ोर हुए हैं तथा उनके आत्मसमर्पण की संख्या लगातार बढ़ रही है। विमुद्रीकरण ने भी नक्सलियों को पहुँचने वाली वित्तीय सहायता पर लगाम लगाई है और इसके बाद से अब तक 700 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें बनाने की योजना पर तेज़ी से काम कर रही है और वर्ष 2022 तक 48877 किमी. सड़कें बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं को मज़बूत बनाने के लिये सरकार बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगाने का काम कर रही है। इसके तहत कुल 4072 टावर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। निश्चित तौर पर पुलिस की दवाब बनाने की सक्रिय कार्रवाई और विकास बहुआयामी योजनाओं से नक्सली समस्या जड़मूल से समाप्त हो सकेगी।

नवप्रवर्तन राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि के दिशा प्रवर्त्तक

नवप्रवर्तन राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि के दिशा प्रवर्त्तक होते हैं। किसी भी देश में समस्त प्रयासों की रचनात्मक भूमिका होनी चाहिए उसी के फल स्वरुप राष्ट्र का आर्थिक तंत्र मजबूत तथा शक्तिशाली होता है।

जीवन है चलने का नाम, गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3त्न नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है।

नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है, जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है।

गर तजुर्बा मेरा ढेर न होता।

गर तजुर्बा मेरा ढेर न होता,
मुक़म्मल मेरा शेर न होता

ताज हमारे ही सिर पर होता,
किस्मत का ऐसा फेर न होता ।

बनते तेरे मेरे दिल के रिश्ते,
बीच हमारे एर-गैर न होता ।

अब कहां हैं, हीर और रांझे,
प्यार तो ऐसा, खैर न होता,

मेरी तो बस एक ही ख्वाहिश थी,
तेरे लिए मैं इतना गैर न होता ।

जीत जाते इश्क की बाजी,
संजीव,
तक़दीर से इस कदर बैर न होता।।

संजीव ठाकुर
रायपुर

भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि बनाम जीवनयापी संसाधनों की स्थिति

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि, वार्षिक विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट 2024 जारी

भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा बढ़ती दर के अनुपात में जीवनयापी संसाधनों की स्थिति को रेखांकित करना समय की मांग-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की जनसंख्या चीन को पछाड़ते हुए 142 करोड़ के ऊपर जाकर विश्व की नंबर वन जनसंख्या वाला देश भारत बन गया है यह हमें पिछली बार 2023, में आई संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में पता चल गया था परंतु दिनांक 17 अप्रैल 2024 को जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि वार्षिक विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट ने मुझे हैरान कर दिया है, क्योंकि इसमें बताया गया है कि भारत की जनसंख्या अभी 144.17 करोड़ हो चुकी है और आने वाले 77 वर्षों में यह इसकी दोगुना हो जाएगी, जिसमें अनेक रेश्यो भी दिए हैं कि किस क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि के कैसे प्रभाव पड़े हैं जैसे उम्र लेवल पर जनसंख्या, महिलाओं की जनसंख्या लेवल पर स्थित, मातृ मृत्यु में असमानता महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ तथा प्रवस के दौरान रोज 800 महिलाओं की मृत्यु सहित 2006-2023 के बीच 23 प्रतिशत बाल विवाह सहित अनेको विश्लेषण दिए हैं। परंतु इस बेतहाशा बढ़ती जनसंख्या पर मेरा मानना है कि इसके कंपनसेशन में जीवनयापी संसाधनों की क्या स्थिति है, बढ़ती बेरोजगारीको मिटाने का क्या प्लान है, जीवो को रहने के संबंध में कैसा प्रबंध प्रपोज्ड है जैसे अनेक मुद्दों पर गहन चर्चा कर नीति आयोग द्वारा नीति निर्माण करना होगा, क्योंकि मानव निर्मित संसाधनों को हम उपलब्ध करा सकते हैं, परंतु जब संसाधन कुदरत रचित हैं जैसे हवा पानी धरती के रूप स्थान के लिए तथा अनाज सहित अनेक ऐसी खाद्य वस्तु है जो सृष्टि द्वारा रचित है या कुदरत की देन है, इनमें हम कैसे इजाफा करेंगे ताकि जनसंख्या वृद्धि का संतुलन समय पर हम कर सकें क्योंकि भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि दर के अनुपात मेंजीवनयापी संसाधनों की स्थिति को रेखांकित करना समय की मांग है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि बनाम जीवनयापी संसाधनों की स्थिति।

साथियों बात अगर हम भारत में जनसंख्या के बढ़ते आंकड़े की करें तो, भारत में आखिरी जनगणना 2011 में की गई थी, उस वक्त भारत चीन के बाद दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा आबादी वाला देश था और देश की जनसंख्या 121 करोड़ थी। भारत की ताजा जनसंख्या पर यूनाइटेड नेशन पॉपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) ने रिपोर्ट जारी की है, जिसके मुताबिक भारत दुनियां का सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश बन गया है। भारत की पॉपुलेशन 144 करोड़ से अधिक हो गई है, इसमें 24 फीसदी आबादी 0 से 14 साल से कम उम्र की है। इस रिपोर्ट में ये भी अनुमान लगाया गया है कि भारत की आबादी आने वाले 77 सालों में दोगुनी हो जाएगी। रिपोर्ट में जनसंख्या के साथ-साथ नवजात बच्चों की मौत, महिलाओं और एलजीबीटीक्यू की स्थिति आदी के बारे में भी डेटा दिया गया है।रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि भारत में मातृ मृत्यु में काफी भारी गिरावट आई है।

साथियों बात अगर हम जनसंख्या के बायफरकेशन की करें तो, रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की 144.17 करोड़ आबादी में 24 फीसदी आबादी 0-14 साल की है, जबकि 17फीसदी आबादी 10-19 साल के अंदर है। इतना ही नहीं, 10-24 साल वाले भी भारत में 26 फीसदी हैं, जबकि 15-64 आयु वर्ग के सबसे ज्यादा 68 फीसदी हैं। इसके अलावा भारत की 7 फीसदी जनसंख्या 65 साल और उससे ज्यादा उम्र की है, जिसमें पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 साल और महिलाओं की 74 साल है।मातृ मृत्यु पर भारत की सराहना रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मातृ मृत्यु दर में काफी गिरावट आई है, जोकि दुनिया भर में ऐसी सभी मौतें का 8 फीसदी है।भारत में इस सफलता का क्रेडिट सरकार के सस्ती और अच्छी स्वास्थ सेवाओं को जनता तक पहुंचाना और लैंगिक भेदभाव को कम करने के प्रायासों को दिया है। पीएलओएस की ग्लोबल पब्लिक हेल्थ रिपोर्ट का हवाला देते हुए यूएनएफपीए ने कहा कि सर्वे में पता चला है कि भारत के 640 जिलों में एक तिहाई जिलों ने मातृ मृत्यु कम करने के लिए सतत विकास लक्ष्य हासिल कर लिया है।बता दें भारत सरकार द्वारा नवजात की मृत्यु दर को कम करने और शिशुओं और माओं को पौष्टिक आहार मुहैया कराने के लिए कई स्कीम चलाई जा रही हैं. इसके अलावा अच्छे और सस्ते स्वास्थीय ने भी जनसंख्या बढ़ोत्तरी में अहम किरदार निभाया है। देश में महज 7 फीसदी आबादी 65 वर्ष या इससे अधिक उम्र की है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि

(यूएनपीएफ) की तरफ से वार्षिक विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हुई हैं, जिसकी वजह से मातृ मृत्यु दर में कमी आई है और जीवन प्रत्याशा बढ़ी है।देश की आबादी में महज 7 फीसदी 65 साल या इससे अधिक उम्र के लोग हैं। देश में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा (लाइफ एक्सपेंटेसी) बढ़कर 71 वर्ष और महिलाओं की 74 वर्ष हो गई है। 77 वर्ष बाद 2101 तक भारत की आबादी बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। रिपोर्ट में भारत में जनसंख्या बढ़ने के पीछे सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार व जीवन प्रत्याशा में वृद्धि है। रिपोर्ट में गर्भवती व प्रसूताओं को पौष्टिक आहार मुहैया कराने को लेकर चलाई जा रहीं योजनाओं की भी प्रशंसा की गई है। यह भी बताया गया है कि 2006-2023 तक भारत में बाल विवाह की दर 23 फीसदी रही, जोअत्यंत चिंताजनक है।

साथियों बात अगर हम जनसंख्या के उपलब्ध आंकड़ों में महिलाओं का विश्लेषण करें तो, रिपोर्ट के मुताबिक देश के 640 जिलों में सतत विकास लक्ष्यों के मुताबिक मातृ मृत्यु दर का अनुपात एक लाख़ पर 70 या इससे कम है लेकिन 114 जिले ऐसे हैं, जहां यह अनुपात 1 लाख पर 210 या इससे ज्यादा है। अरुणाचल प्रदेश के तिराप जिले में यह सबसे ज्यादा एक लाख पर 1,671 है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लैंगिक भेदभाव कम हुआ है। हालांकि, दिव्यांग महिलाओं को सामान्य महिलाओं की तुलना में 10 गुना ज्यादा लैंगिक भेदभाव और हिंसा का शिकार होना पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के धनी परिवारों की महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार का ज्यादा लाभ मिला।

शार्ट न्यूज

महोबा में बारातियों से मारपीट कर हजारों लूटे

महोबा । उत्तर प्रदेश मे महोबा जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र मे दबँगो ने एक यात्री बस पर हमला बोल उसमे सवार दूल्हा समेत सात बारातियों को बुरी तरह पीट कर घायल कर दिया और 95 हज़ार रूपये लूट कर फरार हो गये। पुलिस उप अधीक्षक दीपक दुबे ने बताया कि बीती देर रात कानपुर .सागर राष्ट्रीय राजमार्ग मे मुख्यालय के पुलिस लाइन तिराहे के पास सड़क जाम की स्थिति बनी थी जिसमे अन्य गाड़ियों के साथ सीमावर्ती मध्य प्रदेश के नोगाँव से कबरई जा रही लल्लू साहू के बेटे की बारात की एक बस भी फंसी थी। बताया गया है कि जाम मे गाड़ियों को ओवरटेक करके निकल रही एक बाईक मे सवार लोगो से बस के यात्रियों का किसी बात पर विवाद हो गया। जिस पर बाईक सवारो के पक्ष से मोके पर मोटर साइकिलो मे सवार होकर पहुंचे करीब एक दर्जन लोगो ने बारातियों पर लाठी डंडो से हमला बोल उनके साथ जमकर मारपीट की और भाग गए।कहा जा रहा है कि हमलावर अवैध असलहो से लैस थे। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया की उक्त घटना मे बस मे सवार दूल्हा समेत सात बाराती घायल हुए जिन्हे उपचार के लिएजिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी जिसके बाद बारात अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गयी। प्रकरण मे आरोप है कि मारपीट मे दबँगो ने दूल्हे के पिता से 95 हज़ार रूपये की नकदी छीन ली। पुलिस दंबंगों की तलाश कर रही है।

शॉर्ट सर्किट से खेतों में लगी भीषण आग

अलीगढ़। अलीगढ़ के अतरौली थाना क्षेत्र के गांव गनियावाली में बिजली की तारों में शॉर्ट सर्किट के कारण खेतों में भीषण आग लग गई। खेतों में गेहूं की पकी हुई फसलें खड़ी थी और चिंगारी पड़ते ही उन्होंने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बढ़ती चली गई। किसान इससे पहले की कुछ समझ पाते, भीषण आग काबू से बाहर हो गई और किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस प्रशासन और फायर ब्रिगेड को दी। इसके साथ ही खुद भी आग बुझाने में जुट गए। जानकारी मिलने पर फायर ब्रिगेड तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। किसानों की माने तो छोटी सी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और फैलती ही चली गई। आग एक खेत से दूसरे खेत में कब पहुंच गई पता नहीं चला। आग के भीषण रूप की जद में 4 गांवों के खेत आ गए और लगभग चार किलोमीटर का दायरा पार करते हुए गनियावाली से पेंडरा गांव तक पहुंच गई। भीषण आग के कारण लगभग 1000 बीघा में खड़ी गेहूं की पकी हुई फसलें जलकर खाक होने का अनुमान लगाया जा रहा है। जिसके कारण किसान पूरी तरह से बर्बाद हो गए। इसमें कई किसान ऐसे भी थे, जिन्होंने इस फसल के आसरे अपने बच्चों की शादी और उनकी पढ़ाई के सपने संजोकर रखे थे, जो फसल के साथ ही खाक हो गए।

बिजनौर में हादसे में दो लोगों की मौत

बिजनौर। बिजनौर के अफजलगढ़ इलाके में अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसा बिजनौर के अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के कालागढ़ रोड पर हुआ। अफजलगढ़ थाना क्षेत्र का रहने वाला नरेश (45) पुत्र हरदयाल सिंह, भूपेंद्र उर्फ मोनू (24) पुत्र नंदकिशोर निवासी गांव मुस्तफाबाद उर्फ गढ़िया गांव रसूलाबाद से अपनी रिश्तेदारी में लग्न समारोह में शामिल होकर देर शाम बाइक पर सवार होकर अपने घर आ रहे थे। बाइक जैसे ही अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के कालागढ़ रोड पर स्थित गांव कुशाहालपुर के पास पहुंची तभी किसी वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना पर सीओ अफजलगढ़ अर्चना सिंह, थाना अध्यक्ष पुष्कर सिंह मेहरा, एसएसआई श्रीपाल सिंह, हल्का इंचार्ज सुमित राठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पीएचसी प्रभारी डॉक्टर सर्वेश निराला ने बताया कि दो लोग एक्सीडेंट में घायल हालत में अस्पताल लाए गए थे। दोनों की मौत इलाज के दौरान हो गई।

आजमगढ़ में पांच अपराधियों को किया जिलाबदर

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के एसपी अनुराग आर्य ने जिले के अपराधियों के विरूद्ध अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत लगातार अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के तहत जिले में गोवध और आपराधिक कृत्यों में सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के तहत जिले के डीएम विशाल भारद्वाज की संस्तुति पर पांच अपराधियों को छह माह के लिए जिलाबदर किया गया है। इन अपराधियों में गंभीरपुर थाना क्षेत्र से दो, पवई थाना क्षेत्र से दो और कोतवाली का एक अपराधी शामिल है। जिले में जिलाबदर किए जाने वाले अपराधियों का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व भी जिले के बड़ी संख्या में अपराधियों को जिलाबदर किया जा चुका है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ऐसे लोगों को चिह्नित करने में जुटा हुआ है जो कि चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं। जिले के एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जिला बदर किए जाने वाले अपराधियों में शैलेंद्र कुमार पासी उर्फ बब्लू पासी शराब के मामले में आरोपित है। जबकि चंद्रशेखर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। मोहम्मद तंजीम और मोहम्मद सोफियान गोवध के आरोपी हैं और गंभीरपुर थानाक्षेत्र के रहने वाले हैं। हरिशचंद्र यादव उर्फ रूदल कोतवाली का रहने वाला है।

भदोही में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

भदोही (संत रविदास नगर)। भदोही नगर पालिका परिषद द्वारा जेसीबी मशीन लगवाकर शुक्रवार को नगर के वार्ड 28 जमुंद में कुछ व्यक्तियों द्वारा नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया दिया गया। जेसीबी मशीन से नाले की साफ-सफाई कराई जा रही है। ताकि बरसात के मौसम में जल निकासी को लेकर कोई समस्या उत्पन्न न होने पाए। जलनिकासी की समस्या को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के जमुंद वार्ड के बोलियां मोहल्ले से घमहापुर तक नाले का निर्माण कराया गया है। इस नाले से 10 मोहल्लों के पानी का निकाली होता है। जमुंद वार्ड के बौलिया मोहल्ले में कुछ लोगों द्वारा इस नाले पर अतिक्रमण कर लिया गया था। अतिक्रमण यूं ही बरकरार रहता तो बारिश के दिनों में 10 मोहल्लों में जलनिकासी की भयंकर समस्या उत्पन्न हो जाती। वार्ड के सभासद गुलाम हुसैन संजरी द्वारा इसकी शिकायत अधिशासी अधिकारी से की गई थी। ईओ पिछले दिनों स्थलीय निरीक्षण कर कहा था कि शीघ्र ही नाले से अतिक्रमण को हटवाकर उसकी साफ-सफाई कराई जाएगी। ताकि बरसात के मौसम में जल निकासी की समस्या उत्पन्न न होने पाए। अगर अतिक्रमणकारियों द्वारा अपने अतिक्रमण को हटाने को लेकर विरोध किया गया तो पुलिस फोर्स लेकर नाले से अतिक्रमण को हटवाए जाएंगे।

मैनपुरी में खेत में मिला छात्र का शव

मैनपुरी। मैनपुरी के थाना क्षेत्र के गांव में उस समय चीख पुकार मच गई। जिस समय बीएससी की पढ़ाई कर रहे छात्र का शव गोली लगी अवस्था में संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर पड़ा हुआ मिला। परिजनों के अनुसार छात्र अपने ननिहाल जाने की बात कहकर घर से निकला था। शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार में आकस्मिक हुई नवयुवक छात्र की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मामला कुरावली थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी छत्रपाल सिंह यादव के 20 वर्षीय बेटे पंकज का शव गोली लगी अवस्था में गांव के बाहर खेतों पर पड़ा हुआ मिला। उसके पास एक तमंचा और उसकी बाइक भी बरामद हुई। परिजनों के अनुसार बीते गुरुवार लगभग 3 बजे पंकज अपनी ननिहाल मरहरी थाना बिछवा जाने की कहकर घर से निकला था। जब वह ननिहाल जा रहा तो परिजनों को उसकी कोई चिंता नहीं हुई लेकिन जब वह ननिहाल नहीं पहुंचा तो सुबह उसके घर वालों को उसकी चिंता हुई और उसकी खोजबीन शुरू की गई।

मोदी ने राहुल-अखिलेश गठबंधन पर सवाल उठाए

कहा- 2 शहजादों की जोड़ी फिर फिल्म की शूटिंग कर रही, इनका रिजेक्शन पहले हो चुका

अमरोहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अमरोहा पहुंचे। मंच पर ढोलक देकर उनका स्वागत किया गया। पीएम ने मंच से क्रिकेटर मो. शमी का नाम लेकर मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश की।

उन्होंने फ्लॉप फिल्म के बहाने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। कहा- यूपी में फिर 2 शहजादों की जोड़ी की फिल्म की शूटिंग चल रही है। जिसका पहले ही रिजेक्शन हो चुका है। हर बार ये लोग परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की टोकरी उठाकर यूपी की जनता से वोट मांगने निकल पड़ते हैं।

अपने इस अभियान में ये लोग हमारी आस्था पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। यहां से जो कांग्रेस के प्रत्याशी हैं, उन्हें तो भारत माता की जय बोलने में भी परेशानी होती है।

दंगों का दौर नहीं भूलेगा यूपी

प्रधानमंत्री बोले- तुष्टिकरण के खेल ने यूपी को और खासकर हमारे पश्चिमी यूपी को दंगो की आग में जलाया था।

यहां के लोग गुंडाराज का वो दौर कभी भी भूल नहीं सकते। आय दिन दंगे होते थे। लोगों को अपना घर छोड़कर जाना पड़ता था। पश्चिमी यूपी

के घरों पर मकान बिकाऊ है के पोस्टर लग गए थे।

पीएम बोले- हमारी आस्था को खारिज कर रहे

पीएम मोदी ने कहा- इंडी गठबंधन वाले सनातन से घृणा करते हैं। अभी मैं द्वारका गया और समुद्र में नीचे जाकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की। लेकिन कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि समुद्र के नीचे पूजा करने योग्य कुछ है ही नहीं। हमारी हजारों वर्ष की आस्था और भक्ति को ये लोग सिर्फ वोटबैंक के लिए खारिज कर रहे हैं।

पीएम मोदी बोले- गन्ने का रिकॉर्ड भुगतान हो रहा

पीएम मोदी बोले- सीएम योगी ने गन्ना किसानों की चिंता की। अमरोहा के गन्ना किसान कभी नहीं भूल सकते कि पहले उन्हें भुगतान के लिए कितना परेशान किया जाता था। लेकिन आज प्रदेश में गन्ने की रिकॉर्ड खरीद के साथ ही रिकॉर्ड भुगतान हो रहा है। जब सपा की सरकार थी, तो अमरोहा के गन्ना किसानों को साल में औसतन सिर्फ 500 करोड़ रुपए का भुगतान होता था। जबकि योगी जी की सरकार में यहां हर साल करीब 1.5 हजार करोड़ रुपए का भुगतान गन्ना किसानों को हुआ है।

झांसी : बारातियों से भरी बस में ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत ,35 घायल

झांसी । उत्तर प्रदेश में झांसी के मोंठ थानाक्षेत्र में शुक्रवार को बारातियों से भरी एक बस में ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक की मौत हो गयी है और करीब 35 अन्य घायल हैं। घायलों में दूल्हा-दुल्हन भी शामिल हैं। मोंठ क्षेत्राधिकारी हरिमोहन सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि झांसी-कानपुर हाइवे पर मोंठ थानाक्षेत्र में एक बस में ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में 35 लोग घायल हो गये हैं और एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गयी है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों के साथ राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

पीलीभीत में कई स्थानों पर मतदान का बहिष्कार

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत संसदीय क्षेत्र में शुक्रवार को पहले चरण के मतदान के बीच कई स्थानों पर मतदाताओं ने मतदान का बहिष्कार किया।

इस मामले में जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह का कहना है कि संबंधित स्थानों पर उस क्षेत्र के प्रशासन और पुलिस के अधिकारियो को मौके पर पहुंचकर समस्या को समझकर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

इस बीच जिलाधिकारी ने आज सुबह राम लुभाई राजकीय महाविद्यालय बूथ पर पहुंच कर अपना मतदान कर लोगो को भी मतदान करने का संदेश दिया।

प्रशासन और पुलिस के लोग आक्रोशित मतदाताओ को मनाने का प्रयास करने में जुटे है। बरखेड़ा थाना क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही नदी पर पुल बनाने की मांग को लेकर पुरैना के ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया जिससे मतदान केंद्र सूना पड़ा रहा।

ग्रामीण अपनी मांग पर अडिग रहे। बहिष्कार ऐसा रहा कि ग्रामीणों में एजेंट बनने से भी इंकार कर दिया। इसकी सूचना मिलने पर मजिस्ट्रेट पुलिस बल के साथ गांव पहुंच गए।

ग्रामीणों को मनाने में जुटे हुए है। ऑफिसर्स कॉलोनी से रास्ता बंद करने दहगला, बक्शपुर सहित कई गाँव के लोगों नें चुनाव का बहिष्कार किया। गाँव वालो का कहना था कि जब तक प्रशासन गाँव वालों को रास्ता नहीं देगा तब तक कई गाँव के लोग लोकसभा चुनाव मे वोट नहीं डालेंगे।

सड़क हादसे में पिता और दो पुत्रों की मौत

पुलिस ने तीनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया

इटावा। इटावा में शादी समारोह में इस्तेमाल होने वाली बग्घी (रथ) से टकराकर एक ही बाइक पर सवार पिता समेत दो मासूम पुत्रों की मौके पर मौत हो गई। महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने तीनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मृतक युवक की घायल पत्नी को उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती करवाया है। युवक पारिवारिक शादी समारोह से दावत खाकर एक ही बाइक पर अपने बेटों और पत्नी के साथ वापस लौट रहा था। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत विजयपुरा चौराहा के पास की घटना। घटना की जानकारी पर परिवार और गांव में कोहराम मच गया।

बता दें थाना सिविल लाइन क्षेत्र में

स्थित साईं मंदिर के पास मैरिज होम से पारिवारिक भतीजी की शादी समारोह से वापस अपने परिवार के साथ बाइक पर सवार राघवेंद्र सिंह यादव (38) अपनी पत्नी विनीता देवी (30) और दो पुत्र 11 वर्षीय कृष्णा और 8 वर्षीय कन्हैया बाइक पर सवार होकर अपने घर सोखा जा रहे थे। तभी विजयपुरा चौराहा के समीप एक बग्घी से भिड़ंत हो गई। हादसे में पिता और उसके दो पुत्रों की मौत हो गई।

महिला विनीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। आस पास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी मौके पर लोगों ने एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों की टीम ने तीनों का परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। महिला को गंभीर हालत में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी रैफर कर दिया गया। जहां महिला का उपचार किया जा रहा है।

शादी समारोह से वापस आ रहे थे सभी

मृतक के भतीजे ललित यादव ने बताया कि हमारे चाचा और चाची उनके दो लड़के मोटरसाइकिल से सवार होकर साईं मंदिर के पास एक मैरिज होम में परिवार की बिटिया की शादी समारोह में निमंत्रण खाकर वापस आ रहे थे तभी एक बग्घी से बाइक टकरा गई। तभी आस पास के लोगों ने हमारे घर पर सूचना दी और पुलिस के सहयोग से जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने चाचा और उनके दो बच्चों को मृत बता दिया और चाची को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भेज दिया है। चाचा की दो छोटी बेटियां भी है।

जिला अस्पताल के डॉक्टर श्याममोहन सिंह ने बताया कि एंबुलेंस की मदद से चार लोगों को लाया गया था।

जिसमें तीन लोग मृत अवस्था में थे, जिनका परीक्षण किया जिसमे वह मृत पाए और महिला को प्राथमिक उपचार के बाद सैफई रेफर कर दिया। मृतक पिता पुत्र है और महिला मृतक की पत्नी है इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है।

झांसी : शातिर चोर पुलिस के साथ मुठभेड़ में गिरफ्तार

एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के प्रेमनगर थानाक्षेत्र में पुलिस और स्वाट टीम ने आम लोगों के साथ अधिकारियों के घरों को भी निशाना बनाने वाले शातिर चोर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले के सभी थानों की पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ सघन चेकिंग अभियान में जुटी है इसी क्रम में गुरूवार देर रात प्रेमनगर थाना पुलिस और स्वाट टीम जब रेलवे कॉलोनी में स्थित मजार के पास

चेकिंग में जुटी थी , उसी दौरान पीठ पर बैग टांगे एक संदिग्ध नजर आया। टीम ने उसे रोककर जब जानकारी लेनी चाहिए तो वह जंगल की ओर भागने लगा इस पर टीम ने उसका पीछा किया । अंधेरा अधिक होने के कारण बदमाश तेजी से जंगलों की ओर बढ़ने लगा और उसने पुलिस पर दो राउण्ड फायर कर दिये। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुएए गोलियां चलायी जो बदमाश के पैर मे लगी । घायल बदमाश को पुलिस ने धर दबोचा।

एसपी सिटी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश ने अपना नाम राजकुमार उर्फ संतोष (22) पुत्र रामलाल प्रजापित निवासी सेवड़ा चुंगी जिला दतिया(मध्यप्रदेश)बताया। संतोष के बैग से चोरी के करीब 10 लाख के सोने-चांदी के आभूषण, कुछ कैश बरामद हुआ है। पुलिस द्वारा घायल बदमाश को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि संतोष एक शातिर किस्म का चोर से और वह दतिया से झांसी आकर रेलवे कालोनी और पॉश इलाकों में घरों को निशाना बनाता था। उसने आम लोगों के साथ साथ अधिकारियों के घरों में भी चोरियों को अंजाम दिया है। पूछताछ में संतोष ने थानाक्षेत्र प्रेमनगर के रेलवे कॉलोनी (थानाक्षेत्र सीपरी बाजार) व आस-पास के अन्य थानों में करीब 20-25 घरों में चोरी करने की बात कबूल की है।

12 साल से फरार हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ में पुलिस ने 12 साल से फरार चल रहे ईनामिया बदमाश को गिरफ्तार किया है। अलीगढ़ की सिविल लाइंस पुलिस और आगरा एसटीएफ ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 50 हजार का ईनाम था और वह लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा था। पुलिस को मुखबिर के जरिए आरोपी के अलीगढ़ में होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद अलीगढ़ पुलिस और आगरा की एसटीएफ ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए आरोपी के लिए घेराबंदी की और उसे किला रोड मन्नत तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेजा जा रहा है। अलीगढ़ के दादों थाना क्षेत्र के नगला उदिया निवासी लड्डू उर्फ लड्डन पुत्र महेंद्र सिंह 2012 से फरार चल रहा है। उसके खिलाफ हत्या का मुकदमा था और वह 2012 में पेशी के लिए पुलिस अभिरक्षा में कासगंज गया था। वहां से लौटने के दौरान वह कठपुला पुल के पास पुलिस को चकमा देकर भाग गया था। आरोपी हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस को बताया कि वह पुलिस को चकमा देने के बाद दिल्ली में अपने एक रिश्तेदार के यहां गया था। इसके बाद बुलंदशहर में भी एक मित्र के पास रुका। उसके साथ वह हरियाणा के वल्लभगढ़ चला गया और वहां पर एक महीने रहा था।

जिला कारागार में कैदी की मौत

एजेंसी

औरैया कोर्ट ने ढाई महीने पहले सुनाई थी सजा, शाम को बेहोश होकर बैरक में गिरा

इटावा। इटावा जिला कारागार में एससी, एसटी एक्ट में सजायाफ्ता कैदी की मौत हो गई। ढाई महीने पहले औरैया कोर्ट ने 11 वर्ष तीन माह की सजा सुनाई थी। तबीयत बिगड़ने के चलते कैदी की मौत होने की बात सामने आई है। प्रथम दृष्ट्या हर्ट अटैक से मौत होने की बात जेल प्रशासन कह रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत होने का स्पष्ट कारण पता चल सकेगा। इटावा जिला कारागार में निरुद्ध 40 वर्षीय कैदी की गुरुवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। वह जेल की बैरक नम्बर पांच में बंद था। यहां शाम करीब साढ़े पांच बजे अचानक बैरक के अंदर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। साथी कैदियों के शोर मचाने पर जेल प्रशासन द्वारा उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने चिकित्सीय परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

मूलरूप से औरैया जिले के थाना अजीतमल के पूठा गांव निवासी कैदी महेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र सीताराम राजपूत के खिलाफ औरैया जिले के अजीतमल थाने में एससी एसटी एक्ट समेत धमकी देने का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में औरैया में एससी एसटी कोर्ट ने 30 जनवरी 2024 को 11 साल तीन माह की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उसे उसी दिन इटावा जिला कारागार भेजा गया था।

यहां उसे बैरक नम्बर पांच में रखा गया था और वह करीब दो माह 17 दिन की सजा काट चुका था। जेल अधीक्षक कुलदीप भदौरिया ने बताया कि गुरुवार की दोपहर खाना खाने के बाद उसे बैरक में शिफ्ट कर दिया गया था तभी शाम करीब साढ़े पांच बजे बैरक के अंदर ही अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी जिसके बाद वह अचानक से गिर पड़ा। साथियों के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे और उसे जेल के अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत में सुधार दिखाई न देने पर जेल वार्डन शिवम चौधरी, सुंदरम के साथ पुलिस अभिरक्षा में एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां पहुंचने पर उसकी मौत हो गई।

डेढ़ साल की मासूम का चाचा ने किया था मर्डर

प्रयागराज। गंगापार के हंडिया इलाके में अपनी मां के साथ सोई डेढ़ साल की मासूम बच्ची रंजना को रात के अंधेरे में अगवा कर उसकी नृशंस हत्या के मामले से पुलिस ने पर्दा उठा दिया। मासूम बच्ची को रिश्ते में चाचा लगने वाले सूरज उर्फ लल्ली ने ही बेरहमी से मार डाला था। बच्ची के पिता से बदला लेने के लिए सूरज ने उसकी बेटी को तड़पा कर मार दिया। दरअसल आरोपी सूरज उर्फ लल्ली को शक था कि उसकी पत्नी से बच्ची रंजना के पिता का अवैध संबंध है। वह इस बात से अंदर ही अंदर दुश्मनी पाले था। रंजना के पिता महेंद्र मुसहर का वह कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा था। अंत में उसने बच्ची की हत्या की साजिश रची और आधी रात घर में घुसकर मासूम रंजना का मुंह दबार उसे उठा ले गया। झाड़ियों के बीच उसने बच्ची को जमीन में पटका। इसके बाद उसका सिर जमीन में टकराने लगा। एक ईंट से उसके पेट के पास वार किया। बच्ची की मौत हो गई तो सूरज खेत में लाश फेंक निकल भागा।

वाराणसी में पुलिस टीम पर ग्रामीणों का हमला

6 पुलिसकर्मी घायल हुए-100 ग्रामीणों पर एफआईआर दर्ज हुई; कब्जा दिलाने पहुंची थी पुलिस टीम

वाराणसी। वाराणसी में एक बार फिर लोगों ने पुलिस पर हमला किया है। मामला चौबेपुर थानाक्षेत्र के संदहा का है, जहां पुलिस और प्रशासन की टीम की कोर्ट के आदेश पर मेड़बंदी कराने पहुंची थी। आक्रोशित ग्रामीणों के हमले में तीन दरोगा और तीन सिपाही घायल हो गए हैं। पुलिस की तरफ से 100 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। मामला 18 अप्रैल (गुरुवार) का है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर जमीन की मेड़बंदी और कब्जा कराने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने दरोगा और सिपाहियों पर लाठी डंडे, ईंट-पत्थर से हमला बोल दिया। महिलाओं औक पुरुषों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और मौके से खदेड़ दिया। इस बवाल में तीन दरोगा और तीन सिपाही चोटिल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय चौकी इंचार्ज की तहरीर पर 100 हमलावर ग्रामीणों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पहले जानते हैं कि किस मामले में पुलिस-प्रशासन की टीम पहुंची थी

शहर के ब्रह्मनाल मोहल्ले के गोपीनाथ पुत्र स्वर्गीय मूसे के प्रार्थना पत्र पर न्यायालय ने पैमाइश का आदेश दिया था। गुरुवार को एसडीएम सदर शाश्वत अग्रवाल, मुख्य राजस्व अधिकारी अरुण कुमार के आदेश पर मेड़बंदी कराने टीम पहुंची थी।

पुलिस टीम के साथ नायब तहसीलदार शहर प्रीतम सिंह व राजस्व निरीक्षक राजेश राम मौजूद थे। टीम ने जैसे ही पैमाइश शुरू की तो सोमारु यादव करीब 150 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और विरोध करते हुए टीम पर पथराव शुरू कर दिया। हमलावर हाथ में लाठी, ईंट, पत्थर लिए हुए थे। हमले में छह पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं।

हमले की सूचना के बाद कई थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंची लेकिन तब तक ग्रामीण घर चले गए। घायलों में चौकी इंचार्ज पंकज राय, एसआई पंकज सिंह, कांस्टेबल शिवम सिंह, अखिलेश सिंह और आशुतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी 6 घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

चौबेपुर थाना प्रभारी विद्याशंकर पांडेय ने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों का इलाज कराया जा रहा है। हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

गोरखपुर में तस्करी करने वाले 3 गिरफ्तार

676 प्रतिबंधित तोते बरामद, बिहार में करनी थी रोज रिंग्ड पैराकीट की सप्लाई

गोरखपुर। गोरखपुर में वन विभाग और एसटीएफ ने संयुक्त रूप से तिनकोनिया रेंज के नंदानगर अंडरपास से 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से प्रतिबंधित 676 तोते (रोजरिंग पैराकीट) बरामद किए गए हैं। तस्करों की पहचान राजघाट इलाके के छोटे काजीपुर मिर शिकार मोहल्ले के रहने वाले रईस अहमद, रायगंज के मोहम्मद इम्तियाज और बिहार पटना के आलमगंज इलाके मिस्का टोला के मंसूर आलम के रूप में हुई। इनका एक साथी शमशाद मौके से फरार हो गया। फिलहाल टीम ने तस्करों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसटीएफ और वन विभाग के मुताबिक, बेजुबान परिंदों की तस्करी करने वाले गैंग का रईस अहमद सरगना है। जो अपने गिरोह से बहराइच समेत अन्य जगहों से तोतों को पकड़वाता है। इसके बाद उन्हें पिंजरे में रखकर बिहार के पटना ले जाकर बेचते थे। एक जोड़े तोते के बदले उन्हें 600 रुपए मिलते थे। रईस पहले भी कई बार तस्करी में जेल जा चुका है।

घर में लगी आग, 5 साल के बच्चे की मौत

बहराइच। बहराइच में शुक्रवार दोपहर एक मकान में आग लगने से पांच साल के मासूम की जिंदा जलकर मौत हो गई। घर में आग लगने से चीख-पुकार मच गई। लोग आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसा कोतवाली नानपारा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जूड़ा के मजरा जगरामपुरवा में हुआ। गांव निवासी लक्ष्मन और उनके बेटे सनोज का आसपास मकान है। शुक्रवार को पिता-पुत्र 500 मीटर दूर स्थित खेत में गेहूं के फसल की कटाई कर रहे थे। जबकि घर पर सनोज की 14 साल की बेटी, पांच साल का बेटा कुलदीप और तीन महीने का बच्चा मौजूद था। दोपहर में 12 बजे सोलर पैनल में स्पार्किंग हुई। इसके बाद चिंगारी से फूस के मकान में आग लग गई। आग लगने पर 14 साल की बेटी ने तीन माह के बच्चे को बचाते हुए खुद बाहर निकल आई, लेकिन 5 साल के भाई को वह बाहर नहीं निकाल सकी।

शार्ट न्यूज

स्टीलबर्ड ने लांच किये साइकिलिंग और स्केटिंग हेलमेट

नयी दिल्ली। स्टीलबर्ड हेलमेट की इकाई स्टीलबर्ड बेबी टॉयज ने आज साइकिलिंग और स्केटिंग के लिए खास तौर पर तैयार किए गए बेबी हेलमेट लॉन्च किए। राजधानी में आज से शुरू हुये राइड एशिया एक्सपो में स्टीलबर्ड टॉयज़ ने आधिकारिक तौर पर बेबी हेलमेट और एंटी स्किड बेबी बाथर्स की एक नई रेंज लॉन्च की। स्टीलबर्ड टॉयज़ की निदेशक सृष्टि कपूर ने इस नई शुरुआत के महत्व पर जोर देते हुए कहा भारत में, विशेष रूप से बच्चों के लिए सुरक्षित खिलौनों का अभाव है। बाजार में जो खिलौनें हैं, उनमें बच्चों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता, इसीलिए हमने पिछले साल, हमने बेबी वॉकर, ब्लूटूथ-एनेबल्ड मॉडल सहित के लॉन्च के साथ इस सेगमेंट में प्रवेश किया था। शुरुआत के एक वर्ष से भी कम समय में, आज स्टीलबर्ड इस सेगमेंट में देश का प्रमुख ब्रांड बन गए हैं। सुश्री कपूर ने शिशु हेलमेट और विशेष रूप से केवल बच्चों के लिए डिज़ाइन किए गए अच्छे गुणवत्ता वाले सुरक्षात्मक हेलमेट की गैर-मौजूदगी के कारण भारत में भी साइकिल चलाने, स्केटबोर्डिंग, रोलर स्केटिंग करते और अन्य गतिविधियों में शामिल बच्चों को कई तरह की चोटें लग जाती हैं और इस तरह की संभावना बनी रहती है।

अधूरी जांच के चलते 90 प्रतिशत से ज्यादा मरीज ले रहे हैं मधुमेह की दवा : डॉ कुमार

नयी दिल्ली। एप्रोपीरीएट डायट थेरेपी सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ एस कुमार ने देश में लगातार मधुमेह मरीजों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए आज दावा किया अति आधुनिक जांच उपलब्ध होने के बावजूद 90 प्रतिशत से ज्यादा मधुमेह पीड़ित अधूरी जांच के चलते और पूरी जानकारी न होने के कारण दवा और इन्सुलिन ले रहे हैं। डॉ कुमार ने यहां यह दावा करते हुये कहा कि यह देश के लिए न केवल एक चुनौती है बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत एक गंभीर समस्या भी है। मधुमेह रोग का नाम सुनते ही सबसे पहले लोगों के मन में यही ख्याल आ जाता है कि,अब उन्हें का ताउम्र जीवन भर दवा के सहारे अपना आगे की जिंदगी जीना पड़ेगा। यही सबसे बड़ी मिथ्या है क्योंकि रोगियों को पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके लिए भी एक वैज्ञानिक होने के नाते बहुत बड़ी चुनौती थी कि आखिर इस रोग से लोगों को कैसे मुक्ति दिलाए। उन्होंने इस और गहन रिसर्च कर यह देखा कि मेडिकल साइंस में भी इस रोग में कुछ महत्वपूर्ण टेस्ट की जानकारी दी गई है। जिसे आमतौर पर देश के चिकित्सक मरीजों को सलाह तक नहीं देते हैं।

आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी की बैठक दौरान रेपो रेट को बनाए रखने के पक्ष में की थी वोटिंग

नई दिल्ली। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास इस महीने की शुरुआत में एमपीसी की बैठक के दौरान ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने के पक्ष में थे। उन्होंने रेपो रेट को बनाए रखने के लिए मतदान करते हुए जोर देकर कहा था कि 2024-25 के जीडीपी अनुमान आरबीआई को मूल्य स्थिरता पर नजर रखने के संकेत देते हैं। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एमपीसी की बैठक के मिनट्स जारी कर दिए, इसमें इसकी पुष्टि हुई है। रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद महंगाई की चिंताओं देखते हुए रेपो रेट को बरकरार रखा था। इसे फरवरी 2023 से 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया है। मिनट्स के अनुसार छह एमपीसी सदस्यों ने पॉलिसी रेट्स को अपरिवर्तित रखने के पक्ष में वोट किया था। हालांकि, एमपीसी के सदस्य जयंत आर वर्मा ने रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती की वकालत की थी क्योंकि ऊंची ब्याज दरों से विकास में आती है।

बंपर लाभांश से नारायण मूर्ति के पांच महीने के पोते एकाग्र पर बरसेगा धन

नई दिल्ली। इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने हाल ही में अपने पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को कंपनी के 15 लाख शेयर तोहफे में दिए थे। अब कंपनी की ओर से अपने शेयरों पर डिविडेंड का एलान किए जाने पर उन्हें बड़ा फायदा मिलने वाला है। आईटी कंपनी ने अपने शेयरों पर 28 रुपये प्रति शेयर का (लाभांश) डिविडेंड देने का एलान किया है, इस घोषणा से पांच महीने के एकाग्र के खाते में करीब 4.20 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। मूर्ति ने अपने पोते को 240 करोड़ रुपये मूल्य के 15 लाख शेयर उपहार में दिए थे। गिफ्ट में मिलने इन शेयरों के कारण एकाग्र महज पांच महीने की उम्र में भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी के सबसे कम उम्र के करोड़पति शेयरधारक बन गए थे। इन्फोसिस बोर्ड ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024 के लिए 20 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश और 8 रुपये प्रति शेयर के विशेष लाभांश की सिफारिश की है। इंफोसिस ने चौथी तिमाही की आय जारी करते हुए कहा, इससे वित्त वर्ष 2020-24 के दौरान कुल भुगतान मुक्त नकदी प्रवाह का 85 प्रतिशत होगा, जो पहले घोषित हमारी पूंजी आवंटन नीति के अनुरूप है।

आईटी सेवा प्रदाता विप्रो का मुनाफा सालाना आधार पर 8 प्रतिशत घटकर 2835 करोड़ हुआ

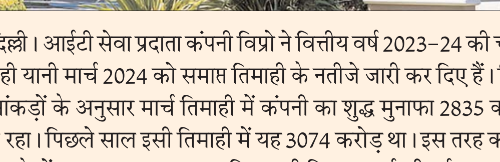

नई दिल्ली। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी विप्रो ने वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही यानी मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। विप्रो के आंकड़ों के अनुसार मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 2835 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 3074 करोड़ था। इस तरह कंपनी के मुनाफे में सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बाजार के जानकारों के अनुमानों से कंपनी का मुनाफा थोड़ा पीछे रह गया। एक पोल में कंपनी का मुनाफा 2880 करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया गया था। मार्च तिमाही में कंपनी के परिचालन राजस्व में भी 4त्न की गिरावट दर्ज की गई और यह 22,208 करोड़ रुपये रही। इससे पिछली तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 23,190 करोड़ रुपये रहा था।

डेल टेक्नोलॉजीज ने एआई लैपटॉप और मोबाइल वर्कस्टेशन किये लांच

नयी दिल्ली। डेल टेक्नोलॉजीज ने आज भारत में आधिकारिक तौर पर वाणिज्यिक एआई लैपटॉप और मोबाइल वर्कस्टेशन की नयी रेंट लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी कीमत 110999 रुपये से लेकर 260699 रुपये तक है।

डेल टेक्नोलॉजीज इंडिया के क्लाइंट सॉल्यूशंस ग्रुप के वरिष्ठ निदेशक एवं महाप्रबंधक इंद्रजीत बेलगुंडी ने यहां इसे लाँच करते हुये कहा, डेल वाणिज्यिक पीसी दशकों से परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं, और हमारी नवीनतम पीढ़ी के उपकरणों में एआई क्षमताओं में प्रगति से हमें मदद मिलेगी। ग्राहक के कार्यबल अपने उद्योग को एआई युग में ले जाने के लिए प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ रहे हैं। नया लेटीट्यूट और हाइब्रिड कार्य युग में व्यावसायिक पेशेवरों के लिए एआई-संवर्धित उत्पादकता और सहयोग प्रदान करता है। जैसे-जैसे एआई परिदृश्य विकसित होता है, हमारा नया वाणिज्यिक पोर्टफोलियो हमारे ग्राहकों और उनके कार्यबल को प्रदर्शन, उच्चतम सुरक्षा, पोर्टेबिलिटी और स्थिरता के साथ सशक्त बनाता है, जिससे उन्हें आधुनिक कार्य वातावरण की जटिलताओं को आत्मविश्वास और आसानी से हल करने में मदद मिलती है।

ये नए पीसी संगठनों और कर्मचारी उत्पादकता को एआई युग में लाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि नवीनतम लैटीट्यूड पोर्टफोलियो इंटेल कोर अल्ट्रा 7 प्रोसेसर तक से लैस है, 5000 सीरीज 13वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई 7-1355यू प्रोसेसर तक के कॉन्फ़िगरेशन में भी उपलब्ध है। नया प्रिसिजन पोर्टफोलियो इंटेल कोर अल्ट्रा 9 प्रोसेसर द्वारा संचालित पावर उपयोगकर्ताओं, डेवलपरों और उससे आगे की प्रदर्शन आवश्यकताओं को पूरा करता है। पीसी में नई अत्याधुनिक एआई तकनीक हाइब्रिड कार्यबल की चतुराई बढ़ाने, उत्पादकता, सुरक्षा और निर्बाध सहयोग बढ़ाने में मदद कर सकती है।

उन्होंने कहा कि सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू के साथ नया एकीकृत मल्टी-प्रोसेसर पैकेज एआई वर्कलोड को एक्सपीयू, एक बहुमुखी एआई इंजन में लोड करने में मदद कर सकता है। यह एकीकरण बेहतर प्रदर्शन और लंबी बैटरी लाइफ प्रदान करता है। नए पोर्टफोलियो में अतिरिक्त को पायलट 'की' उपयोगकर्ताओं को अपने एआई साथी तक तुरंत पहुंच की अनुमति देती है। डेल ऑप्टिमाइज़र एआई-आधारित सॉफ़्टवेयर को भी और बेहतर बनाया गया है। अब, यह इंटेलिजेंट ऑडियो और नेटवर्क ऑप्टिमाइज़ेशन जैसी सुविधाओं के साथ पृष्ठभूमि में काम करते समय 18 प्रतिशत कम बिजली का उपयोग करता है जो कार्य आउटपुट को बढ़ाता और अनुकूलित करता है।

उन्होंने कहा कि इन उपकरणों में हार्डवेयर और फ़र्मवेयर सुविधाएँ शामिल हैं जो आधुनिक साइबर हमलों को रोकना आसान बनाती हैं। सुरक्षा खामियों को स्कैन करने और सिफारिशें प्रदान करने की अनुमति देकर सुरक्षा को और बढ़ाती है। नवीनतम ऑफ-होस्ट बीआईओएस सत्यापन के साथ, उपयोगकर्ता खतरों के प्रति अपने जोखिम को और कम कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी की तीव्र प्रगति के कारण आधुनिक कार्यस्थल एक महत्वपूर्ण बदलाव का अनुभव कर रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन सांसारिक कार्यों को सरल बना रहे हैं, जिससे श्रमिकों को रचनात्मकता और कंप्यूटिंग कौशल की मांग करने वाले अधिक रणनीतिक प्रयासों के लिए अपनी ऊर्जा समर्पित करने की अनुमति मिलती है। अधिकारियों, सेल्सपर्सन और सलाहकारों के लिए डिज़ाइन किया गया, लैटीट्यूड 9450 2-इन-1 दुनिया का सबसे छोटा 14-इंच वाणिज्यिक पीसी है। जीरो-लैटिस कीबोर्ड और हैप्टिक सहयोग टचपैड के साथ दुनिया का एकमात्र वाणिज्यिक पीसी है। इसकी मिनी-एलईडी बैकलिट तकनीक कीबोर्ड के बिजली उपयोग को 75 प्रतिशत तक कम कर देती है और बैटरी जीवन बढ़ा देती है।

लैटीट्यूड 7350 डिटैचेबल दुनिया का बहुमुखी वाणिज्यिक डिटैचेबल है। हल्के टैबलेट के रूप में उपलब्ध यह डिवाइस टैबलेट की सुविधा और पोर्टेबिलिटी और लैपटॉप के प्रदर्शन को एक साथ लाता है। चाहे यह डेस्क पर या चलते-फिरते उपयोगकर्ताओं के लिए हो, यह एक पावर-पैक डिवाइस है जिसमें तेज़ कंप्यूटिंग की अनुमति देने के लिए उन्नत थर्मल सिस्टम हैं। इसमें बुद्धिमान, विनियमित थर्मल मोड शामिल हैं जो 51 प्रतिशत तक तेज़ प्रदर्शन सक्षम करते हैं।

अद्वितीय स्थायित्व के लिए तैयार किया गया, 7350 डिटेचेबल सेवा क्षमता के लिए मानक स्थापित करता है। हानिकारक नीली रोशनी को कम करने के लिए 7350 डिटेचेबल डिस्प्ले में कम्फर्टव्यू प्लस के साथ 3के रिज़ॉल्यूशन है।

लैटीट्यूड 7000 श्रृंखला मोबाइल पेशेवरों के लिए एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करती है। ये डिवाइस अल्ट्रा-पोर्टेबल फॉर्म फैक्टर में एआई पीसी प्रदर्शन प्रदान करते हैं। केवल 0.98 किलोग्राम वजन वाले लैटीट्यूड 7350 अल्ट्रालाइट को दुनिया के सबसे हल्के प्रीमियम वाणिज्यिक लैपटॉप के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसमें डेल कोलैबोरेशन टचपैड, 5एमपी वेबकैम और टॉप-फायरिंग स्पीकर शामिल हैं जो एक उन्नत सहयोग अनुभव प्रदान करते हैं। लैटीट्यूड 7450 2-इन-1 सक्रिय पेन सपोर्ट के साथ कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रदान करता है। अनुकूलित एआई क्षमताओं से युक्त, ये डिवाइस पिछली पीढ़ी की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक लंबी बैटरी जीवन प्रदान करते हैं।

नया लैटीट्यूड 5450, जो 5000 श्रृंखला का हिस्सा है, अपने टिकाऊ डिजाइन के लिए जाना जाता है, जिसमें 19 प्रतिशत तक पुनर्नवीनीकृत सामग्री शामिल है। लैटीट्यूड 5450 इंटेल कोर अल्ट्रा यू-सीरीज़ से संचालित है जो पिछली पीढ़ी की तुलना में 10 प्रतिशत बेहतर वेब-ब्राउजिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, उत्पादकता और सामग्री निर्माण प्रदर्शन प्रदान करता है।

वित्त वर्ष 2024 में एंड्रोमेडा का ऋण वितरण 23 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। ऋण वितरण नेटवर्क एंड्रोमेडा सेल्स एंड डिस्ट्रीब्युशन प्राइवेट लिमिटेड का वित्त वर्ष 2023-24 में ऋण वितरण 23 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 75,397 करोड़ रुपये रहा, जिसमें आवास ऋण सेगमेंट के शानदार प्रदर्शन का मुख्य योगदान रहा। वित्त वर्ष 2023 में ऋण वितरण 61074 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी के सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (को सीईओ) राउल कपूर ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि जिस तरह से कारोबार में वृद्धि जारी है उसके मद्देनजर चालू वित्त वर्ष में कंपनी का ऋण वितरण एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आवास ऋण सेगमेंट वित्त वर्ष 2023 के 27,798 करोड़ के मुकाबले 22 प्रतिशत से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में लगभग 33,918 करोड़ रुपये रहा।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में संपत्ति पर ऋण वितरण लगभग 24,776 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 22,456 करोड़ के मुकाबले 10.33 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ व्यापार ऋण सेगमेंट में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई, और वित्त वर्ष 2023 के 5,255 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 6,927 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा व्यक्तिगत ऋण और अन्य लोन सेगमेंट में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

वर्ष 1991 में सिटी बैंक के डीएसए (डायरेक्ट सेल्स एसोसिएट) के तौर पर स्थापित हुई एंड्रोमेडा भारत के सबसे बड़े ऋण वितरण फर्म के तौर पर उभरी है। कंपनी के विस्तृत ऋण पोर्टफोलियो में गृह ऋण, संपत्ति पर ऋण, व्यक्तिगत ऋण, व्यापार ऋण और अन्य ऋण उत्पाद शामिल हैं। ऋणों के अतिरिक्त एंड्रोमेडा (अपनी समूह कंपनियों के माध्यम से) बीमा और म्युक्चुअल फण्ड वितरण भी करती है। इन कार्यों के जरिए कंपनी का उद्देश्य अपने एजेंटों, कर्मचारियों और ग्राहकों को सभी वित्तीय सेवा उत्पाद एक ही जगह पर उपलब्ध कराना है।

कपूर के अनुसार, ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बावजूद आवास ऋण की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण सकारात्मक आर्थिक परिदृश्य है। साथ ही डिजिटलीकरण, पहले से तेज स्वीकृति, आसान उपलब्धता और लचीलेपन से व्यक्तिगत ऋण की मांग जबरदस्त वृद्धि आई है। उन्होंने कहा कि एंड्रोमेडा के ऋण पोर्टफोलियो में वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2023-24 के बीच पांच गुने की जबरदस्त वृद्धि देखी गई है और 15,333 करोड़ रुपये की तुलना में 75,397 करोड़ रुपये हो गया है। एक महत्वपूर्ण वृद्धि वित्तीय वर्ष 2023-24 की दूसरी छमाही के दौरान अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेंट में दर्ज हुई, साथ ही वेतनभोगी कर्मचारियों द्वारा बड़ी रकम के व्यक्तिगत ऋण की मांग में भी ऐसी ही वृद्धि देखी गई।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने पूरे देश में नई शाखाएं खोलकर अपनी उपस्थिति को बढ़ाया है। 100 से ज्यादा शहरों और कस्बों में उपस्थिति के साथ कंपनी की आगे के लिए भी महत्वाकांक्षी विस्तार योजना है। मार्च 2024 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में कंपनी ने शाखा नेटवर्क का पिछले साल के 350 शाखाओं से बढ़ाकर 470 शाखाओं तक विस्तार किया है।

जेएनके इंडिया का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। जेएनके इंडिया लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 अप्रैल को खुलेगा। कंपनी की ओर से शुक्रवार को यहां जारी बयान में कहा है कि कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए 23 अप्रैल मंगलवार को खुलेगा और 25 अप्रैल गुरुवार को बंद होगा। इनिशियल पब्लिक ऑफर के लिए दो रुपये फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 395 से 415 रुपये तय किया है। निवेशक न्यूनतम 36 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 36 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

इस इश्यू में 300 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर शेयरहोल्डर और व्यक्तिगत शेयरहोल्डर से 8,421,052 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। जेएनके इंडिया लिमिटेड प्रोसेस-फायर्ड हीटर, रिफॉर्मर्स और क्रैकिंग फर्नेस (हीटिंग इक्विपमेंट) के प्रोडक्शन का बिज़नेस करती है, जो तेल और गैस रिफाइनरियों जैसे प्रोसेस इंडस्ट्री में जरूरी होता है।

कंपनी के पास थर्मल डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इनस्टॉल और हीटिंग प्रोडक्ट को चालू करने की क्षमता है और कंपनी घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों में सर्विस देती है।

एफ एन्ड एस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ सालों में कंपनी ने फ्लेयर्स और इंसीनरेटर सिस्टम में विविधता ला दी है और ग्रीन हाइड्रोजन के साथ रिन्यूएबल सेक्टर में क्षमताएं विकसित कर रही है। तेल और गैस रिफाइनरियों, पेट्रोकेमिकल, फर्टिलाइजर, हाइड्रोजन और मेथनॉल प्लांट आदि जैसे इंडस्ट्री में इन प्रोडक्ट की जरूरत होती है।

सिरसा मंडी बोरियों से अटी, आढ़तियों ने दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

सिरसा। हरियाणा में सिरसा अनाजमंडी में गेहूं की आवक तेज हो गई है। आवक की तुलना में उठान कार्य धीमी गति से चल रहा है जिस कारण मंडी पूरी तरह से गेहूं से भरी बोरियों से भर गई है। आलम यह है कि मंडी में गेहूं की नई ढेरी लगाने के लिए भी किसानों को जगह नहीं मिल रही है।

इस समस्या से परेशान मंडी के आढ़तियों में उठान करने वाले ठेकेदार के प्रति रोष है। इस मुद्दे पर आज आढ़ती एसोसिएशन सिरसा की एक बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रधान मनोहर मेहता ने की।

बैठक में एसोसिएशन के उपप्रधान प्रेम बजाज, सचिव दीपक मित्तल, सह सचिव महावीर शर्मा, पूर्व प्रधान हरदीप सरकारिया, हन्नी अरोड़ा, कृष्ण गोयल, डब्बू जैन, श्याम लाल गर्ग, सोहन लाल गर्ग, राजन बावा, मजदूर यूनियन से सोमनाथ सहित अन्य आढ़ती मौजूद थे। बैठक में उपस्थित आढ़तियों ने ठेकेदार तथा हैफेड विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर रोष जताया।

उन्होंने कहा कि हैफेड के अधिकारी व कर्मचारी आंख बंद करके बैठे हुए हैं। ठेकेदार के खिलाफ कोई एक्शन नहीं हो रहा है। ठेकेदार के पास माल उठाने के लिए पर्याप्त ट्रक नहीं है। इसका खामियाजा आढ़तियों व किसानों को उठाना पड़ रहा है। गेहूं बोरियों में भरा हुआ है, मगर उठान नहीं हो रहा है। उपर से मौसम भी खराब चल रहा है। ऐसे में यदि बारिश हो जाती है तो उसका नुकसान आढ़तियों को भुगतना पड़ेगा। प्रधान मनोहर मेहता ने सभी आढ़तियों की बात को ध्यान से सुना। उन्होंने समस्या का समाधान करने के लिए बैठक में ही हैफेड के डीएम को बुलाया।

नौ समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में लौटी तेजी

मुंबई । विश्व बाजार के कमजोर रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर नीचे भाव पर वित्तीय सेवाएं, बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और धातु समेत नौ समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार पिछले लगातार चार दिन की गिरावट से उबरकर आज तेजी के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 599.34 अंक अर्थात 0.83 प्रतिशत की छलांग लगाकर 73,088.33 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 151.15 अंक यानी 0.69 प्रतिशत उछलकर 22,147.00 अंक पर बंद हुआ।

हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी रही। इससे बीएसई का मिडकैप 0.39 प्रतिशत गिरकर 40,004.52 अंक और स्मॉलकैप 0.04 प्रतिशत फिसलकर 45,433.79 अंक रह गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3903 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2073 में गिरावट जबकि 1717 में तेजी रही वहीं 113 में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी की 30 कंपनियों में लिवाली जबकि 19 में बिकवाली हुई जबकि एक के भाव स्थिर रहे।

बीएसई के नौ समहों में तेजी का रुख़ रहा। इससे कमोडिटीज 0.54, सीडी 0.31, एफएमसीजी 0.45, वित्तीय सेवाएं 0.83, ऑटो 0.29, बैंकिंग 1.02, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.78, धातु 0.85 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.10 प्रतिशत मजबूत रहे।

इजराइल के ईरान पर मिसाइल हमला करने के बाद भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका में विश्व बाज़ार गिर गया। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.61, जर्मनी का डैक्स 0.71, जापान का निक्केई 2.66, हांगकांग का हैंगसेंग 0.99, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.63 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.29 प्रतिशत टूट गया।

कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 489 अंक की भारी गिरावट के साथ 71,999.65 अंक पर खुला और बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद 71,816.46 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

वहीं, लिवाली की बदौलत आगे बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 73,210.17 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 72,488.99 अंक के मुकाबले 0.83 मजबूत होकर 73,088.33 अंक हो गया।

इसी तरह निफ़्टी 134 अंक उछलकर 21,861.50 अंक पार खुला और सत्र के दौरान 21,777.65 अंक के निचले जबकि 22,179.55 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 21,995.85 अंक की तुलना में 0.69 प्रतिशत उठकर 22,147.00 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में बजाज फाइनेंस 3.16, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.90, एचडीएफ़सी बैंक 2.46, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.39, मारुति 2.20, विप्रो 1.92, भारती एयरटेल 1.74, आईटीसी 1.40, टाटा स्टील 1.31, टेक महिंद्रा 1.18, आईसीआईआई बैंक 1.04, एसबीआई 0.81, पावरग्रिड 0.54, एक्सिस बैंक 0.52, रिलायंस 0.46 और अल्ट्रासिमको 0.13 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, एचसीएल टेक 1.20, नेस्ले इंडिया 1.04, टीसीएस 0.93, एलटी 0.89, टाटा मोटर्स 0.84, इंफ़ोसिस 0.63, एशियन पेंट 0.22 और एनटीपीसी के शेयर 0.14 प्रतिशत कमजोर रहे।

भू-राजनीतिक तनावों से रत्न आभूषण निर्यात प्रभावित, दूसरी छमाही पर उम्मीद

नयी दिल्ली। भारत से रत्न-अभूषण का निर्यात अप्रैल-मार्च 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में14.94 प्रतिशत घटा इस दौरान आयात में भी 13.84 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी।

देश में रत्न और आभूषण उद्योग के शीर्ष मंच भारतीय रत्न-आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-मार्च 2023-24 में इस क्षेत्र का सकल निर्यात 3202.21 करोड़ डॉलर रहा। वर्ष 2022-23 में रत्न आभूषण निर्यात 3764.62 करोड़ डॉलर के बराबर था। यह निर्यात में सालाना आधार पर 14.94 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। जीजेईपीसी के अनुसार मार्च 2024 के महीने में, रत्न और आभूषण का सकल निर्यात सालना आधार पर 11.85 गिर कर 229.26 करोड़ डालर रहा जबकि एक साल पहले इसी माह निर्यात 260 करोड़ डॉलर था।

अप्रैल 2023-मार्च 2024 की अवधि के लिए रत्न और आभूषण का कुल सकल आयात 2226.78 करोड़ डॉलर रहा, जबकि इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2584.45 करोड़ डॉलर था। यह आयात में वार्षिक आधार पर 13.84 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

मार्च 2024 के महीने में, रत्न और आभूषणों का कुल सकल आयात 207.17 करोड़ डॉलर था, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 207 करोड़ डॉलर की तुलना में 0.03 प्रतिशत अधिक है।

आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में कटे और पॉलिश किए गए हीरों का कुल सकल निर्यात 1596.65 करोड़ डालर रहा, जो इससे पिछले वर्ष की समान अवधि के 2204.7 करोडडॉलर की तुलना में 27.58 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्शाता है। हालाँकि इस दौरान कटे और पॉलिश किए गए हीरों के सकल आयात में वर्ष के दौरान 46.12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि के 130.78 करोड़ डालर की तुलना में 191.10 करोड़ डालर रहा।

जीजेईपीसी का कहना है कि भारत से हीरे के निर्यात वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में भारी बदलाव के बीच अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता बाज़ारों में कम में गिराव से प्रभावित है।

इस वर्ष मार्च में समाप्त वित्त वर्ष में कच्चे हीरे के आयात में 17.85 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और यह एक वर्ष पहले के 1736.74 करोड़ डॉलर की तुलना में 1426.67 डॉलर रहा।

वित्त वर्ष 2023-24 में सोने के आभूषणों का अनंतिम सकल निर्यात 1114.08 करोड़ डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 953.88 करोड़ डॉलर से 16.79 अधिक अधिक है। सोने के आभूषणों के निर्यात में बढ़ोतरी वैश्विक स्तर पर पीली धातु के प्रति लोगों के बढ़ते रुझान को देखते हुए हुई है। इसी तरह इस दौरान रंगीन रत्नों का निर्यात 47.87 करोड़ डॉलर के साथ वार्षिक आधार पर 13.94 प्रतिशत ऊंचा रहा।

कामा ज्वेलरी के एमडी, श्री कॉलिन शाह ने कहा, कुल रत्न और आभूषण निर्यात में मंदी विश्व में कई मोर्चों पर भू-राजनीतिक तनावों से प्रभावित मांग के कारण है। इसमें हाल में ईरान-इजराइल संघर्ष भी जुड़ गया है। रत्न आभूषण उद्योग को उम्मीद है की मांग में सुधार की प्रतीक्षा है। हमें उम्मीद है कि 2024 की दूसरी छमाही से कुछ सुधार देखने को मिलेंगे।

समानांतर रूप से, घरेलू मोर्चे पर सकारात्मक आर्थिक दृष्टिकोण, जनता की क्रय शक्ति को बढ़ावा देने से उद्योग को संतुलन लाने और बनाए रखने में मदद मिलेगी क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिति शांत हो रही है।

बीमा कराएं, तो एएचसी का लाभ जरुर उठाएं

नई दिल्ली। मौजूदा समय में बीमा हर किसी की जरुरत बन गया है। जीवन बीमा हो या फिर स्वास्थ्य बीमा, हर कोई अपने आप को संरक्षित करना चाहता है। लेकिन, बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि ज्यादातर बीमा कंपनियां अपने ग्राहकों को वार्षिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी देती हैं। इस जानकारी के आभाव में बहुत से लोग इस सुविधा का लाभ नहीं ले पाते और इससे वंचित रह जाते हैं। पालिसी बाज़ार ने ऐसे ग्राहकों को इस सुविधा के प्रति जागरूक करने का निश्चय किया है। इसके तहत पालिसी बाज़ार ग्राहकों को विभिन्न जरियों से एएचसी के लाभों से अवगत करा रहा है।

पालिसी बाज़ार के सिद्धार्थ सिंघल के मुताबिक तमाम बीमा कंपनियां अपने उत्पाद के प्लान के आधार पर एएचसी के लिए 2 से 5 हजार रूपए तक का प्रावधान करती हैं। ये उनके नियम एवं शर्तों पर आधारित होता है। अगर एएचसी उनके प्लान में शामिल है तो यह सुविधा पूरी तरह निशुल्क होती है। लेकिन, अगर यह प्लान में शामिल नहीं है तो इस पर दो से 10 हज़ार रुपए तक का खर्च आता है। ये खर्चा टेस्ट के आधार पर निर्भर करता है। लेकिन, अक्सर देखा जाता है कि इस सुविधा के योग्य होने के बावजूद जानकारी के अभाव में ग्राहक इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पाते हैं। ऐसे में वे इस सुविधा से वंचित रह जाते हैं।

सिद्धार्थ एक उदाहरण देते हुए बताते हैं कि मौजूदा समय में चार बीमा कंपनियां एएचसी की सुविधा प्रदान कर रही हैं। इनमें निवा बुपा हेल्थ इन्शुरन्स, स्टार हेल्थ, केयर हेल्थ और आदित्य बिरला ग्रुप शामिल हैं। निवा बुपा के 3 प्लान हैं- रीअश्युर, रीअश्युर 2.0 और एस्पायर गोल्ड प्लस। इन तीनों प्लान में साल में एक बार हर पालिसी पर एएचसी की सुविधा मिलती है। इसमें देश के सभी राज्य कवर होते हैं। इसका बजट 1250 रूपए से लेकर 10 हजार रूपए तक है। वहीँ स्टार हेल्थ इन्शुरन्स के दो प्लान हैं। इनमें फॅमिली हेल्थ ओप्तिमा और स्टार कोम्प्रेहेंसिव प्लान शामिल हैं। इन दोनों में पालिसी रिन्यूअल के समय साल में एक बार यह सुविधा मिलती है। इनमें क्रमश- 3500 और पांच हजार तक के टेस्ट की सुविधा मिलती है। जबकि केयर हेल्थ में एक क्लासिक प्लान है। इसमें भी साल में एक बार यह सुविधा मिलती है जिसका बजट सम इंश्युर अमाउंट पर निर्भर करता है। वहीँ आदित्य बिरला में एक प्लान एक्टिव अश्योर है जिसकी सुविधा साल में एक बार मिलती है और इसका बजट भी सम इंश्योरेड अमाउंट पर निर्भर करता है।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव में एक हजार से अधिक खिलाड़ी दिखायेंगे अपना कौशल

ग्रेटर नोएडा । द मंथन स्कूल में दो दिनों तक चलने वाले ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव के प्रथम संस्करण की छह विधाओं में एक हजार से अधिक खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। खेलो इंडिया के निदेशक अरुण कुमार गुप्ता, द्रोणाचार्य अवार्डी डॉ. अजय बंसल, मेजर जनरल दिलावर सिंह जी की उपस्थिति में आज यहां महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ हुआ। ग्रेटर नोएडा खेल मोहत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों की रुचियों और प्रतिभा को ध्यान में रखते हुए तायक्वोंडो, कराटे, फुटबॉल, स्केटिंग, बास्केटबाल और बैडमिंटन सहित खेल प्रतियोगिताओं आयोजित की जायेगी। दो दिनों के दौरान एक हजार से अधिक स्कूली बच्चे मैत्रीपूर्ण लेकिन प्रतिस्पर्धी माहौल में प्रतिस्पर्धा करते हुए खेल के प्रति अपने कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। भारत सरकार के खेल मंत्रालय की राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन संस्था फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर युवा खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करना और प्रतिभागियों के बीच खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जैसे गुणों को विकसित करना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खेलो इंडिया के निदेशक अरुण गुप्ता ने कहा कि खेल में एक व्यक्ति जीतता है और बाकी सब सीखते है, इस तरह के आयोजन से जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का दिखाने का अवसर मिलता है।

12 भारतीय निशानेबाज ओलंपिक कोटे के लिए दोहा में करेंगे स्पर्धा

दोहा। भारत के 12 निशानेबाज शुक्रवार से शुरु हुई आईएसएसएफ फाइनल ओलंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक को कोटा हासिल करने के लिए स्पर्धा करेंगे। इस स्पर्धा में टोक्यो ओलंपियन मैराज अहमद खान और अंगदवीर सिंह बाजवा, जो पूर्व एशियाई चैंपियन भी हैं, शीराज शेख के साथ पुरुषों की स्कीट में भारत की चुनौती का सामना करेंगे। महिलाओं की स्पर्धा में गनेमत सेखों पर सबकी निगाहें होंगी। अनुभवी विवान कपूर, ज़ोरावर सिंह संधू और पृथ्वीराज टोंडिमन पुरुषों के ट्रैप में तीनों ओर से एक मजबूत चुनौती पेश करेंगे। मनीषा कीर और श्रेयसी सिंह से महिलाओं स्पर्धा में भारत को उम्मीद है। इस स्पर्धा में भारत प्रत्येक वर्ग में तीन निशानेबाज उतारेगा। प्रत्येक व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष दो निशानेबाज (प्रति देश अधिकतम एक), बशर्ते वे पात्र हों और उनके संबंधित देशों ने स्पर्धा के लिए अपना पूरा आवंटन सुरक्षित नहीं किया हो, दोहा से कोटा सुरक्षित करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत के निशानेबाज भवनीश मेंदीरत्ता (पुरुष ट्रैप), राजेश्वरी कुमारी (महिला ट्रैप), रायजा ढिल्लों (महिला स्कीट) और अनंतजीत सिंह नरूका (पुरुष स्कीट) को ओलंपिक कोटा हासिल है। प्रत्येक देश हर श्रेणी में अधिकतम दो कोटा प्राप्त कर सकता है।

भारत को लंबी कूद में बड़ा झटका : घुटने की चोट के कारण श्रीशंकर ओलंपिक से बाहर

दिल्ली। लंबी कूद के दिग्गज खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए हैं और उन्हें सर्जरी करानी पड़ेगी जिसके कारण वह पूरे 2024 सत्र में नहीं खेल पाएंगे। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 8.37 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीतते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को शंघाई/सुझोउ और दोहा में क्रमश-27 अप्रैल और 10 मई को लगातार दो डायमंड लीग प्रतियोगिता के साथ अपने सत्र की शुरुआत करनी थी, लेकिन मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी और उनका ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना टूट गया। श्रीशंकर के पिता एस. मुरली ही उनके कोच हैं। श्रीशंकर का कहना है कि उनके शरीर को उनके पिता उनसे बेहतर समझते हैं। श्रीशंकर के पिता पूर्व ट्रिपल जंप एथलीट थे और दक्षिण एशियाई खेलों में रजत पदक विजेता रहे हैं। 1992 एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनकी मां के.एस. बिजिमोल 800 मीटर रेस में रजत पदक जीती थीं। श्रीशंकर के पिता मुरली एक समय पर शराब के शौकीन थे, लेकिन बेटे के खेल पर ध्यान देने के लिए उन्होंने इससे दूरी बना ली। टोक्यो ओलंपिक में श्रीशंकर के फेल होने के बाद मुरली ने ही अपने बेटे को संभाला था। उस समय श्रीशंकर काफी दबाव में थे और डिप्रेशन में भी चले गए थे। वह खेल छोड़कर अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहते थे।

विनेश-अंशु के सामने ओलंपिक कोटा हासिल करने की चुनौती, 17 पहलवान ले रहे हिस्सा

(किर्गिस्तान)। भारत के 17 पहलवान शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालिफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी। इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारतीय पहलवान सिर्फ एक स्पर्धा को छोड़कर सभी भारवर्ग में कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। 19 साल की अंतिम पंघाल ने सर्बिया के बेलग्रेड में 2023 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर भारत के लिए महिलाओं के 53 किग्रा में पहले ही कोटा स्थान पक्का कर लिया है। महिला वर्ग में अब विनेश (50 किग्रा), रीतिका हुड्डा (76 किग्रा), मौजूदा अंडर-23 विश्व चैंपियन अंशु (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा) और निशा (68 किग्रा) के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का समय आ गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ भारतीय पहलवानों के विरोध का प्रमुख चेहरा रही विनेश के प्रदर्शन पर सबसे ज्यादा नजरें रहेंगी। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च में 50 किग्रा में राष्ट्रीय चयन ट्रायल जीता था। उन्होंने पटियाला में हुए इस चयन ट्रायल में अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद 53 किग्रा वर्ग में भी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह सेमीफाइनल में हार गईं थी। वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी।

कारूआना से ड्रॉ के बाद गुकेश दूसरे स्थान पर, प्रगनानंदा और गुजराती हारे

टोरंटो। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 11वें दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना से ड्रॉ के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि भारत के ही आर प्रगनानंदा और विदित गुजराती को पराजय का सामना करना पड़ा। प्रगनानंदा को अमेरिका के हिकारू नकामूरा और गुजराती को रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि ने हराया। अन्य मुकाबलों में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अजरबैजान के निजात अबासोव को हराया। टूर्नामेंट में अब तीन दौर ही बचे हैं और नेपोमनियाच्ची लगातार तीसरी बार खिताब के प्रबल दावेदार लग रहे हैं। रूस पर प्रतिबंध लगा होने से वह फिडे के ध्वज तले खेल रहे हैं। उन्होंने 11 में से सात अंक लेकर एकल बढ़त बना ली। कारूआना, नाकामूरा और गुकेश उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रगनानंदा के 5.5 और गुजराती के पांच अंक हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान को एकल बढ़त मिल गई है जबकि उनकी हमवतन टी लेइ दूसरे स्थान पर है। भारत की आर वैशाली ने शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना को हराया जबकि कोनेरू हंपी ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा को मात दी।

मेघा प्रदीप ने एशियाई नौकायन चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

टोक्यो। भारत की मेघा प्रदीप ने शुक्रवार को एशियाई कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप 2024 में महिलाओं की सी1 500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

जापान के टोक्यों में आयोजित चैंपियनशिप में मेघा प्रदीप ने 2: 28.027 का समय लेकर तीसरा स्थान पर रही। वियतनाम की डीप थू हुआंग (02: 18.178) और कजाकिस्तान की उलियाना किसेलेवा (02: 26.645) ने क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीते।

अन्य स्पर्धा में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता अर्जुन सिंह और सुनील सिंह सलाम पुरुषों के सी2 - 500 मीटर फाइनल में छठे स्थान पर रहे और पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोटा प्राप्त करने से चूक गए। अर्जुन और सुनील ने नौकायन स्पर्धा में 1: 49.237 समय में पूरी की। वह इस स्पर्धा को जीतने वाले कजाकिस्तान के सर्गेई येमल्यानोव और तिमुर खैदारोव से 5.024 सेकंड पीछे रहे। सर्गेई येमल्यानोव और तिमुर खैदारोव ने 1: 44.213 समय में स्पर्धा जीती।

महिलाओं की के2 500 मीटर स्पर्धा में पार्वती गीता और सोनिया देवी फिरेम्बम ने 2: 04.807 का समय के साथ आठवें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा को चीन की शिमेंग यू और यूल चेन की जोड़ी ने जीता।

पुरुषों की के2 500 मीटर ओलंपिक वर्ग स्पर्धा में रिम्सन मैरेम्बम और हर्षवर्धन सिंह शक्तावत सेमीफाइनल में चौथे स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

भारत की नेहा देवी लीचोनबाम और कावेरी ने महिलाओं के सी2 500मीटर फाइनल में प्रतिस्पर्धा की लेकिन अयोग्य घोषित कर दिया गईं। नाओचा सिंह लैटनजाम ने पुरुषों की के1 200 मीटर गैर-ओलंपिक श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की, लेकिन फाइनल में जगह नहीं बना सके।

भारतीय दल के वरिंदर सिंह (पुरुषों की के1 1000 मीटर) और ज्ञानेश्वर सिंह फिलम (पुरुषों की सी1 1000 मीटर) स्पर्धा में शनिवार को अपनी स्पर्धा करेंगे। फाइनल रविवार को खेला है।

प्रोहित बरोई और पार्वती गीता शनिवार को गैर-ओलंपिक मिश्रित के2 500 मीटर फाइनल में हिस्सा लेंगे।

दीपक, सुजीत उड़ान में देरी के कारण एशियाई कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर से चूके

बिश्केक। भारतीय कुश्ती के लिए एक बड़ा झटका, दुबई में खराब मौसम के कारण हुई उड़ान में देरी की वजह से टोक्यो ओलंपियन दीपक पुनिया और सुजीत कलाकल एशियाई कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर 2024 से चूक गए। आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कोटा सुरक्षित करने के लिए अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में भारतीय पहलवानों पुनिया और कलाकल को एशियाई कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा करनी थी। लगातार बारिश के कारण दुबई में उड़ान में देरी की वजह से कल सुबह बिश्केक पहुंचने के बावजूद, भारतीय पहलवान समय पर वेट-इन के लिए रिपोर्ट नहीं कर सके। पुनिया और कलाकल, कोच कमल मलिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ मंगलवार से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे हुये थे क्योंकि क्षेत्र में भारी बारिश के कारण कई उड़ानें देरी से चल रही थी या रद्द कर दी गई थी। ये दोनों पहलवान क्वालीफायर के लिए रूस के दागेस्तान में प्रशिक्षण ले रहे थे। मई में तुर्की में होने वाले विश्व क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए अभी भी दोनों पहलवान ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कोटा प्राप्त कर सकते हैं।

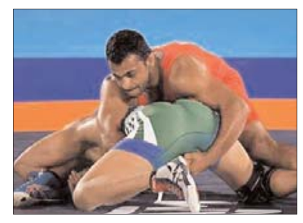

दीपक पुनिया को पुरुषों की फ्रीस्टाइल 86 किग्रा वर्ग में और कलाकल को 65 किग्रा में प्रतिस्पर्धा करनी थी। उल्लेखनीय है कि दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट और पूर्व अंडर-23 विश्व और एशियाई चैंपियन अमन सहरावत सहित पंद्रह अन्य भारतीय पहलवान 19 से 21 अप्रैल तक चलने वाले बिश्केक में एशियाई कुश्ती क्वालीफायर में पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

कैस्पर रूड बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

बार्सिलोना। नॉर्वे के स्टार टेनिस खिलाड़ी कैस्पर रूड ने ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को 6-1, 6-4 से हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये है।

रूड की सीजन की यह 26वीं जीत है। इसके साथ ही रूड 2024 में सबसे अधिक टूर-स्तरीय जीत के मामले में जानिक सिनर से आगे निकल गए है।

रूड ने शुरुआत में ही शानदार खेल का मुजाहिरा करते हएु 5-0 की बढ़त बनाई। उन्होंने दूसरे सेट के सातवें गेम में निर्णायक ब्रेक हासिल करने से पहले शुरुआती सेट का समापन किया और एक घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

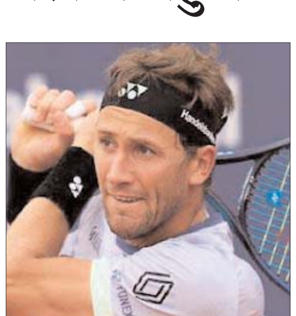

रूड का क्वार्टरफाइनल मुकाबले में माटेओ अर्नाल्डी से भिड़ेंगे। माटेओ अनाल्डी ने पहले खेले गये मुकाबले में मार्को ट्रुंगेलिटी को 6-3, 6-0 से हराकर अंतिम-आठ पहुंच गये है।

आशुतोष शर्मा की शानदार बल्लेबाजी का मैंने लुफ्त उठाया

एजेंसी

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के 33वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के आशुतोष शर्मा की बल्लेबाजी की चारो ओर तारीफ के बीच मुम्बई इंडियंस के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने भी आशुतोष की शानदार बल्लेबाजी का लुफ्त उठाया।

आशुतोष, सूर्यकुमार और ग्लेन मैक्सवेल को अपना आदर्श मानते हैं। गुरूवार शाम उन्होंने अपने आइडियल सूर्यकुमार के सामने यह करिश्माई कारनामा किया और मैच के बाद उनसे देर तक बात भी की।

सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने आशुतोष की बल्लेबाजी का पूरा लुत्फ उठाया।

सूर्यकुमार ने कहा, वह 'मिनी सूर्या' नहीं है। उसने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच का रुख बदलने का प्रयास किया। उसे बल्लेबाजी करते हुए देखने में मुझे बहुत मजा आया।

मैं यह नहीं कह सकता कि मैं चाहता था कि वह पंजाब के लिए मैच जीते, लेकिन जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा था, उसे देखकर मुझे वाकई बहुत अच्छा लग रहा था।

उन्होंने कहा, जब पंजाब का स्कोर चार विकेट पर 14 रन था, तो मुझे राहत मिली थी और मैं आराम करने लगा था।

लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, उनके निचले क्रम ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। जब आशुतोष ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी पहली पारी खेली थी, तो मैंने शशांक सिंह और आशुतोष दोनों को मैसेज किया था। अब मैं उन दोनों से नियमित रूप से बात करता हूं। मैंने उनकी मानसिकता देखी है, जो शानदार है। मुझे उम्मीद है कि वे दोनों इसी तरह खेलते रहेंगे और अपना खेल नहीं बदलेंगे।

उन्होंने कहा, मैं बेहद खुश हूं कि हमने यह मैच जीता क्योंकि यह दोनों टीमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।

जो भी जीतता वह एक कदम आगे बढ़ता लेकिन सबसे अहम टूर्नामेंट में अपनी लय को वापस लाना महत्वपूर्ण था।

उल्लेखनीय है कि पंजाब के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा के 28 गेंदों में दो चौके और सात गगनचुंबी छक्के लगाते हुए शानदार 61 रनों की पारी खेली थी। हालांकि उनकी टीम 183 रन ही बना सकी और नौ रन से मुकाबला हार गई।

नेतन्याहू को अरेस्ट वारंट जारी होने का डर

गाजा में वॉर क्राइम का आरोप; इजराइली पीएम ने ब्रिटेन-जर्मनी से मदद मांगी

तेल अवीव। हमास के खिलाफ जंग के बीच इजराइल को डर है कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर सकता है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों तोड़ने के आरोप में इजराइल के कई राजनेताओं और मिलिट्री लीडर्स के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है।

दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि आईसीसी आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रही है। इसके बाद नेतन्याहू के ऑफिस में कई एक्सपर्ट्स ने इस मुद्दे पर इमरजेंसी मीटिंग भी की थी। इस दौरान वारंट को टालने के तरीकों पर चर्चा हुई थी। इजराइल के विदेश

मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में विदेश मंत्री काट्ज, जस्टिस मिनिस्टर यारिव लेविन और स्ट्रैटेजिक अफेयर्स मिनिस्टर रॉन डेरमिर शामिल हुए थे। मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी थी कि इजराइल अरेस्ट वारंट टालने के लिए द्विपक्षीय और दूसरे डिप्लोमैटिक अधिकारियों से संपर्क करेगा। इसके अलावा पीएम नेतन्याहू ने ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से भी इस मामले में मदद मांगी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक नेतन्याहू के मंत्रियों को डर है कि गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए यह वारंट जारी हो सकता है।

हमास के खिलाफ भी मुकदमा चला सकता है आईसीसी

इससे पहले फरवीर में हमास की कैद से रिहा हुए कुछ इजराइलियों ने आईसीसी में हमास के वॉर क्राइम को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने हमास पर किडनैपिंग, टॉर्चर और शारीरिक हिंसा का आरोप लगाया था। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसीक्यूटर करीम खान पिछले साल दिसंबर में इजराइल के दौरे पर आए थे। इस दौरान वे उन क्षेत्रों में भी गए थे, जहां हमास ने हमला किया था। दौरे के आखिर में करीम खान ने कहा था कि इजराइल में हमास की क्रूरता के सबूत मौजूद हैं। अब हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना है उनका कर्तव्य है।

2002 में शुरू हुआ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट

1 जुलाई 2002 को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट यानी आईसीसी की शुरुआत हुई थी। ये संस्था दुनियाभर में होने वाले वॉर क्राइम, नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच करती है। ये संस्था 1998 के रोम समझौते पर तैयार किए गए नियमों के आधार पर कार्रवाई करती है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का मुख्यालय द हेग में है। ब्रिटेन, कनाडा, जापान समेत 123 देश रोम समझौते के तहत इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य हैं।

ईरानी कब्जे से लौटी महिला बोली- वहां अच्छा बर्ताव हुआ

कहा- खाना-पानी की कोई दिक्कत नहीं थी, बाकी क्रू भी जल्द भारत लौटेगा

ईरान के कब्जे में मौजूद जहाज से आजाद होकर देश लौटी भारतीय क्रू सदस्य ऐन टेसा जोसेफ ने विदेश मंत्रालय को धन्यवाद कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐन ने कहा, विदेश मंत्रालय के सीधे हस्तक्षेप की वजह से ही मैं इतनी जल्दी आ पाई हूं।

ईरान में जहाज पर बिताए समय के बारे में बताते हुए ऐन ने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि ऐसा कुछ हो सकता है। जहाज पर हमें किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई। जहाज को कब्जे में लेने वाले लोगों ने हमारे साथ अच्छा व्यवहार किया। हमे खाने-पीने की कोई दिक्कत नहीं थी। हम अपनी मेस में खाना पका सकते थे। बस खाना खाने के लिए हमें अपने केबिन में लौटना होता था।

गुरुवार (18 अप्रैल) को ईरान के जब्त किए गए शिप से महिला भारतीय कैडेट ऐन टेसा जोसेफ भारत लौट आई थी। वे केरल के कोचीन एयरपोर्ट पर लैंड हुई थी, जहां रीजनल पासपोर्ट अधिकारी ने उनका स्वागत किया था।

बंधकों से किया गया अच्छा व्यवहार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐन ने कहा , मुझे पता था कि युद्ध चल रहा है, लेकिन जहाज को बंधक बनाए जाने की आशंका नहीं थी। भले ही उन्होंने जहाज को जब्त कर लिया, लेकिन उन्होंने चालक दल के साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया। वहां मेरे साथ केरल के चार और लोग है। भारत सरकार शिप पर फंसे बचे लोगों को निकालने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

केरल की रहने वाली है ऐन टेसा जोसेफ

भारत लौटी ऐन टेसा जोसेफ केरल के त्रिशूर जिले की रहने वाली हैं। वह शिप पर भारतीय क्रू का हिस्सा थीं। इससे पहले जोसेफ के परिवार ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को क्रू मेंबर्स को छुड़ाने के लिए जो लेटर लिखा है, उसमें ऐन टेसा का नाम नहीं है। इस जानकारी के बाहर आने के बाद केरल के सीएम विजयन ने जोसेफ के परिवार से बात की थी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जताई थी खुशी

ऐन टेसा जोसेफ की वतन वापसी पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुशी जताई थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था, इंडियन एम्बेसी ने शानदार काम किया है, खुशी है कि एन टेसा जोसेफ घर पहुंच गई हैं। मोदी की गारंटी देश या विदेश सभी जगह काम करती है।

कराची में आत्मघाती हमला, पांच जपानी नागरिक बाल-बाल बचे

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर के लांधी इलाके में जापानी नागरिकों को ले जा रही गाड़ी पर आत्मघाती हमला किया गया। इस हमले में पांच जापानी नागरिक बाल-बाल बच गए हैं, लेकिन उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हमले में वाहन चालक और सिक्योरिटी गार्ड की घायल हुए हैं। जापानी नागरिकों की गाड़ी में आज हुए हमले के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, सभी जापानी नागरिक सुरक्षित हैं। उप महानिरीक्षक पूर्वी अजफर महेसर ने डॉन न्यूज को बताया कि यह घटना लांधी में मुर्तजा चोरंगी के पास तब हुई, जब पांच विदेशी नागरिक हियास वैन में यात्रा कर रहे थे। इस हमले में जापानी नागरिक सुरक्षित हैं, उनको ले जाने वाला वाहन बुलेट-प्रूफ था।

केन्या के राष्टपति ने की विमान दुर्घटना में सैन्य प्रमुख के शहीद होने की पुष्टि

नैरोबी। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने गुरुवार को देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहीद हुए 10 वरिष्ठ कमांडरों में सैन्य प्रमुख फ्रांसिस ओगोला की मृत्यु की भी पुष्टि की । रूटो ने कहा कि केन्या रक्षा बल (केडीएफ) के प्रमुख ओगोला 11 अन्य सैन्य कर्मियों के साथ केडीएफ ह्युई हेलीकॉप्टर पर सवार थे। हेलीकॉप्टर ने एल्गेयो मारकवेट काउंटी के एक स्थानीय प्राथमिक विद्यालय से उड़ान भरी थी, जब अपराह्न करीब 2: 20 बजे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और आग की लपटों में घिर गया। राष्ट्रपति ने एक टेलीविजन संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि दुर्घटना में सेना प्रमुख ओगोला समेत 10 सैन्य अधिकारी शहीद हो गए हैं। जबकि अन्य दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा, यह राष्ट्र के लिए बहुत दुखद क्षण है। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ओगोला डाकुओं से लड़ने के लिए अशांत क्षेत्र में तैनात सैनिकों से मिलने और स्कूल के नवीकरण कार्य का निरीक्षण करने के लिए कल सुबह नैरोबी से रवाना हुए थे। श्री रुतो ने कहा कि केन्या वायु सेना ने दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए एक विमानन जांच दल का गठन किया है और उसे दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र में भेजा है। रूटो ने शहीद जनरल के जीवन और विशिष्ट सैन्य करियर के सम्मान में शुक्रवार से तीन दिवसीय शोक की घोषणा की।

इजरायल ने किया ईरान पर हमला, नुकसान अपुष्ट

यरुशलम/तेहरान। इजरायल पर ईरानी ड्रोन हमले के सात दिनों बाद शुक्रवार को इजरायल ने ईरान पर जवाबी हमले में मिसाइलें दागीं, जो इस्फ़हान प्रांत में गिरीं। इनसे ईरान को हुए नुकसान के बारे में अब तक कोई पुष्ट खबर नहीं है। इस बीच, सीरिया ने भी दावा किया है कि इजरायली हमले में देश के दक्षिणी भाग में रक्षा ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। ईरानी समाचार एजेंसी फार्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी प्रांत इस्फ़हान में तीन विस्फोट सुने गये हैं। ये विस्फोट ड्रोन अथवा मिसाइलों से किये गये हमले के फलस्वरूप हुए हैं, जिसके बाद ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर दिया गया है। ईरानी समाचार एजेंसी आईएसएनए ने रिपोर्ट में एक ईरानी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि सेना का रडार स्टेशन संभावित निशाना हो सकता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि क्षेत्र में कई कार्यालय भवनों की खिड़कियां उड़ गईं लेकिन हमले के परिणामस्वरूप कोई बड़ी क्षति नहीं हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के बाद इस्फ़हान में शांति है और यातायात सामान्य बना हुआ है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इस हमले को तूल देने और बदले की कार्रवाई के लिए कोई उत्तेजना नहीं दिखायी है।

इजरायल अगर उसके परमाणु स्थलों पर हमला करता है तो ईरान उचित प्रतिक्रिया देगा

तेहरान। ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर ने गुरुवार को धमकी दी कि अगर इजरायल ने ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला किया तो वह उसकी परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाएगा। फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने कहा कि ईरानी परमाणु स्थलों की सुरक्षा करने वाले इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) इकाई के कमांडर अहमद हकतलब की यह टिप्पणी तब आई है जब इजरायल ने पिछले सप्ताह बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में ईरानी परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाने का संकेत दिया था। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की इजरायली धमकियां कोई नई बात नहीं हैं और वह वर्षों पहले से धमकियां देने के अलावा, ईरान के परमाणु उद्योग के खिलाफ तोड़फोड़ एवं आतंकी कृत्यों को अंजाम दिया है। हकतलब ने कहा कि हालांकि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार परमाणु सुविधाओं पर हमला करने से रोका गया है, लेकिन ईरान हमेशा ऐसे खतरों से निपटने के लिए तैयार रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने इजरायल के परमाणु केंद्रों की पहचान की है और सभी लक्ष्यों के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त की है और कहा कि ईरान ने ट्रिगर पर अपनी उंगली रखी हुई है जिससे अगर इजरायल कार्रवाई शुरू करता है तब उन लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए शक्तिशाली मिसाइलों का उपयोग किया जा सके।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस D 85 सेक्टर 6 नोएडा से मुद्रित एवं 240 A अंसल चैंबर II, 6 भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली 110066 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

हर दिन डायरी में कलम से लिखें अपना लक्ष्य

डॉ नन्दकिशोर साह

सबसे पहले अपने जिंदगी के लक्ष्य को निर्धारित करें। अपने प्रत्येक घंटे, दिन, सप्ताह, महीने व साल के लिए भी लक्ष्य निर्धारित करें। हर दिन लक्ष्य तक पहुँचने के बेहतर तरीके सोचते रहें और हर दिन लक्ष्य तक पहुँचाने वाले काम करते रहें। प्रबल इच्छा हो, तो आप हर दिन काम करने का समय निकाल ही लेंगे। जब आप निष्क्रिय अवस्था में होते हैं, तब आपको छोटी से छोटी बाधा भी रोक सकती है। लेकिन जब आप लक्ष्य की दिशा में प्रगति करने लगते हैं, तो आपको मुश्किल से मुश्किल बाधा भी नहीं रोक पाएगी। बाधाएँ वे डरावनी चीजें हैं, जो आपको तब दिखती हैं, जब आप लक्ष्य पर से निगाह हटा लेते हैं। एक भी दिन नहीं गुज़रने दें, जब आप लक्ष्य की दिशा में काम नहीं करें। क्योंकि इससे आदत का सिलसिला टूट जाएगा और आलस का सिलसिला हावी हो जाएगा।

एक सर्वे के अनुसार, सिर्फ तीन प्रतिशत वयस्कों के पास लिखित लक्ष्य होते हैं और बाक़ी सभी उनके लिए काम करते हैं। टाइप करने के बजाय नोटबुक या डायरी में लक्ष्य लिखने से बेहतर परिणाम मिलते हैं। हर दिन लिखने से आपको वह लक्ष्य हमेशा याद रहेगा। आप उसके प्रति समर्पित रहेंगे।

जिस तरह दाग-धब्बों या धूल के कारण आपको अपना चश्मा दिन में कई बार साफ़ करना पड़ता है, उसी तरह रोज़मर्रा के भटकावों की वजह से आपको अपने लक्ष्य को भी दिन में कई बार स्पष्ट देखना होता है। लिखने से आपका चेतन मन पूरी तरह सक्रिय हो जाता है।

इसके अलावा, लक्ष्य लिखने से अवचेतन मन पर इसकी छाप भी छूट जाती है, जो लक्ष्य साकार करने में मदद करता है। लक्ष्य तय करने और लिखने की यह छोटी-सी आदत आपकी जिंदगी बदल सकती है। एक पेंसिल और एक सपना आपको कहीं भी ले जा सकते हैं। डायरी या नोटबुक में हर दिन अपना लक्ष्य लिखें, ताकि यह आपकी स्मृति में गहरा बैठ जाए। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निश्चित तारीख लिखना महत्त्वपूर्ण होता है, क्योंकि तभी आपका मस्तिष्क उस लक्ष्य को महत्त्वपूर्ण मानता है।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि डेडलाइन पूरी करना पर्याप्त नहीं है, डेडलाइन को हराना जरूरी है। कुछ लोग डेडलाइन पास आने पर ही काम करते हैं। डेडलाइन चरम प्रेरणा है। अगर आप किसी को प्रेरित करना चाहते हैं, तो लक्ष्य के लिए डेडलाइन तय करें।

नव प्रवेशी छात्रों का हुआ परिचय सभा का आयोजन

गाजीपुर। इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, (नई दिल्ली) अध्ययन केन्द्र ,पी. जी कालेज, गाजीपुर में जनवरी 2024 सत्र के नव प्रवेशी छात्रों के परिचय सभा का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि डॉ0 श्रवण कुमार पाण्डेय, असि0 रिजनल डायरेक्टर, इग्नू के नव प्रवेशी छात्रों के साथ संवाद स्थापित कर यह बताया कि किस प्रकार से पढ़ाई करना है, असाइनमेंट कैसे लिखा जाय और परीक्षा की तैयारी किस प्रकार करनी है, विस्तार पूर्वक बताया। परिचय सभा के उपरान्त अध्ययन केन्द्र के विशेषज्ञ काउंसलर के साथ शैक्षिक परामर्श बैठक करते हुए डॉ0 एस0 के0 पाण्डेय ने भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित प्रोग्राम की जानकारी दी एवं इग्नू

एकेडमिक काउंसलर पोर्टल पर इम्पेनलमेंट हेतु प्राध्यापकों को प्रशिक्षित किया।

इग्नू के आनलाइन कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए एवं एम0एस0 पोर्टल के विशेषताओं से प्राध्यापाकों को अवगत कराया। छात्रों के समस्याओं को सुनते हुए उसका समाधान कैसे हो और पुन: पंजीकरण समय से कैसे करायें इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए सेमेस्टर का स्वरुप, पढ़ाई के तरीके, समस्याओं के त्वरित समाधान, नई शिक्षा नीति एवं इग्नू के ऊपर विशेष रुप से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में इग्नू रिजनल सेन्टर वाराणसी से आये असिस्टेट डायरेक्टर डॉ0 श्रवण कुमार पाण्डेय जी की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफे0 (डॉ) एस0डी0 सिंह परिहार तथा इग्नू अध्ययन केन्द्र के समन्वयक प्रोफे0 (डॉ) एस0 एन0 सिंह नव प्रवेशी छात्रों तथा काउंसलर के प्रति आभार व्यक्त किया।उक्त अवसर पर काउंसलर प्रोफे0 (डॉ) रविशंकर सिंह, प्रोफे0 (डॉ) अरुण कुमार यादव, डॉ0 राम दुलारे, डॉ0 समरेंद्र कुमार मिश्र, डा अमित कुमार सिंह, डॉ0 अंजनी कुमार गौतम, डॉ0 संजय कुमार, अरुण कुमार सिंह, श्री नीरज कुमार सिंह, सुनील कुमार इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सह समन्वयक इग्नू डॉ पीयूष कांत सिंह ने किया।

तुम्बाहेड़ी गांव के लोगों ने ज्वाइन किया कांग्रेस पार्टी, विधायक कुलदीप वत्स ने दिलाई सदस्यता

ललित कुमार गोठवाल

बादली विधानसभा के गांव तुम्बाहेड़ी में आज बादली विधायक कुलदीप वत्स ने कई लोगों को कांग्रेस पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान वहां के लोगों में लोकसभा चुनाव और भाई दीपेंद्र हुड्डा के प्रति काफी समर्थन दिखाई दिया । सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से धर्मेंद्र, नवीन, हरकेश शर्मा, राजेश शर्मा, मिंटू, मनीष शर्मा, अजित शर्मा, असबीर, विष्णु आदि शामिल थे। नव प्रवेशितों को विधायक कुलदीप वत्स ने कांग्रेस पार्टी का फटका और फूल माला पहनाकर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान विधायक ने कहा कि इस बार रोहतक की जनता किसी भी बहकावे में नहीं आने वाली है । रोहतक कि जनता मन बना चुकी है कि भाई दीपेंद्र को ही अपना नेता चुनना है । बता दें कि लोकसभा चुनाव को लेकर रोहतक और हरियाणा में भाई दीपेंद्र सिंह हुड्डा सबसे अधिक चर्चाओं में बने हुए हैं। वहीं अगर देखा जाए तो विधायक कुलदीप वत्स भाई दीपेंद्र सिंह हुड्डा को विजई बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यही वजह है कि कुलदीप वत्स लगातार अपने विधानसभा में कई कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने का काम कर रहे हैं। कुलदीप वत्स के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम रोहतक लोकसभा में दिखाई दे रही है । यही वजह है कि रोहतक से भाई दीपेंद्र सिंह हुड्डा कि जीत निश्चित मानी जा रही है ।

गेस्ट हाउस कांड के सरगना थे शिवपाल

बदायूं। बदायूं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी दुर्विजय सिंह शाक्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) महासचिव शिवपाल सिंह यादव पर निशाना साधते हुये कहा कि सपा के शासनकाल में महिलाये तनिक भी सुरक्षित नहीं रहीं, इसका प्रमाण है कि 90 के दशक में गेस्ट हाउस कांड का नेतृत्व सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने किया था। बदायूं क्लब परिसर में आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत मं उन्होने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती के साथ स्टेट गेस्ट हाउस में जो दुर्व्यवहार किया गया था ,उसमें शिवपाल सिंह यादव की मुख्य भूमिका थी। उन्होने दावा किया कि उनके डर से शिवपाल सिंह यादव ने बदायूं से नाम वापस ले लिया। सपा सरकार में महिलाएं घर से निकलने से डरती थी मगर 2017 के बाद योगी आदित्यनाथ की सरकार में गुंडागर्दी नहीं चलेगी।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का कांग्रेस और भाजपा पर तीखा हमला

कहा : 400 पार का नारा भाजपा की सबसे बड़ी भूल

ललित कुमार गोठवाल

लोस चुनाव में चार सौ पार का नारा देना बीजेपी की बड़ी भूल है। वास्तविक स्थिति यह है कि शुक्रवार को राजस्थान में हुए पहले चरण के रुझान में बीजेपी एक दर्जन से भी अधिक सीटों पर बुरी तरह से हार रही है। यह कहना है जेजेपी नेता एवम पूर्व ने डिप्टी सीएम रहे दुष्यंत चौटाला का। शुक्रवार को चौटाला झज्जर पहुंचे और यहां पत्रकारों के बीच बीजेपी और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि चार सौ पार का नारा बीजेपी की बड़ी गफलत है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को भूलना नही चाहिए कि अपने समय में स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने भी इंडिया इज इंदिरा एंड

इंदिरा इज इंडिया का नारा दिया था लेकिन अपनी सीट तक नही बचा पाई थी। उन्होंने यहां कांग्रेस पर भी तीखे प्रहार किए और कहा कि इतना समय बीत जाने के बावजूद कांग्रेस अपनी सीटों पर उम्मीदवार घोषित नही कर पा रही, यह सब कांग्रेस की अंतर्कलह का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह अंतर्कलह ही कांग्रेस को पतन की ओर ले जा रहा है।

दुष्यंत ने कहा कि जेजेपी ने पूरी मजबूती के साथ मैदान में पांच उम्मीदवार उतार दिए है और शीघ्र ही बाकी पांच सीटों पर भी घोषित कर दिए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि इस बार न केवल जेजेपी की बड़ी जीत होगी बल्कि 2019 की तुलना में जेजेपी का वोट प्रतिशत भी बढ़ेगा।

शार्ट न्यूज

अज्ञात कारणों से लगी आग, कई बीघे गेहूं की फसल राख

संवाददाता। गौरवशाली भारत

कर्नलगंज, गोण्डा। स्थानीय तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम फत्तेपुर कोटहना के बंधिया घाट पर अज्ञात कारणों से आग लग जाने के कारण कई बीघे गेंहू की फसल जलकर राख हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे मंदिर के पास कुछ लोग बैठे थे तभी उनको मंदिर से करीब 200 मीटर दूर आग की लपटें दिखाई पड़ी। जिससे वह लोग हल्ला गुहार करने लगे। तब तक आग ने कई बीघे फसल को अपने आगोश में ले लिया। मौके पर कुछ लोग ट्रैक्टर व अन्य यंत्र को लेकर पहुंचे और आग पर काफी प्रयास के बाद काबू पाया। वही लोगों द्वारा फायर ब्रिगेड व डायल 112 को भी फोन किया गया लेकिन जब तक उक्त टीमें मौके पर पहुंची तब तक आग ग्रामीणों को आग बुझाने में सफलता मिल चुकी थी। इस संबंध में जानकारी करने हेतु तहसीलदार के सीयूजी नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर था।

आईआरएस अधिकारी ने 21 किलोमीटर दौड़कर किया मतदान

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के आईआरएस अधिकारी सुशील कुलहरी ने 21 किलोमीटर दौड लगाकर मतदान किया। सुशील कुलहरी आज सुबह जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से अपने गांव तिलोका का बास के मतदान केंद्र तक 21 किमी की दौड़ लगाकर मतदान केंद्र पर पहुंचे। उसके बाद मतदान किया। वहीं उनके बेटे यूबी साइकिल से चलकर गए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया और आरएएस हवाई सिंह ने कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया। सुशील कुलहरी संयुक्त आयकर आयुक्त स्तर के अधिकारी हैं और वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर राजस्थान सरकार में संयुक्त शासन सचिव आयोजना विभाग के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। वह देश में विभिन्न मैराथन इवेंट्स में भाग ले चुके हैं और अभी तक 9 फुल मैराथन (42.2 किमी) और कुल 38 हाफ मैराथन (21.1 किमी) की दौड़ें पूरी कर चुके हैं। उन्होंने मई 2019 के लोकसभा चुनाव और नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में भी अपने परिवार एवं मित्रों के साथ मतदान केंद्र तक 21 किमी की दौड़ लगाकर मतदान किया था और मतदाताओं को मतदान के प्रेरित किया था। इनके साथ चूरू के वाणिज्यक कर अधिकारी श्री चंद माहीच भी थे।

पंजाब में सभी राष्ट्रवादी देशभक्त, इस बार के लोकतंत्र के महायज्ञ 2024 में अपनी वोट रूपी आहूतियां डालकर, श्रीराम भक्त मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनायेंगे : गोयल

पंजाब। आज अपने राजनीतिक सफर पंजाब में सुनाम उद्यम सिंह वाला में वरिष्ठ भाजपा नेता व अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट श्री जयभगवान गोयल ने सुनाम में स्थित प्रेस क्लब में आदरणीय मोदी जी के भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य पर प्रेसवार्ता की और भारत को विश्वगुरू बनाने के लिए मोदी सरकार द्वारा उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की ओर सभी उपस्थित सुनाम निवासी व प्रेस से आए विभिन्न महानुभवों को अवगत कराया। देश भर के व्यापारियों द्वारा, 2023-2024 में जमा किए गए 20 लाख करोड़ जीएसटी पर विशेष प्रकाश डाला कि किस तरह से हर क्षेत्र में व्यापार अपनी चरम सीमा को प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो रहा है, तभी तो इतना जीएसटी सरकार को प्राप्त हो रहा है जिसके उत्तम प्रयोग से ही देश में बड़ी-बड़ी योजनाएं क्रियान्वित हो रही हैं।

पंजाब के शहर अमृतसर के ही समीप करतारपुर कोरिडोर का निर्माण कर, मोदी जी ने संपूर्ण पंजाबियों के दिल में जगह बना ली है। इतना ही नहीं 26 दिसंबर को बाबा जोरावर सिंह व फतेह सिंह की शहादत को समर्पित करते हुए उसे वीर बाल दिवस घोषित करके उन्हांने सभी दस गुरूओं का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त कर लिया है।

श्री गोयल ने बताया कि सीआईए एजेंट अरविंद केजरीवाल, दिल्ली और पंजाब को लूटकर सिर्फ अपना शीशमहल बनाने में ही तत्पर नहीं है बल्कि शराब घोटाले में जेल जाने के बाद भी मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपका हुआ है। अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने का स्वप्न देखने वाला केजरीवाल जेल के अंदर से ही दिल्ली की सरकार चलाने में आमादा है।

केजरीवाल के षड़यंत्रों की सभी एजेंसियों द्वारा जांच की मांग करने वाला ज्ञापन पत्र भी वहां उपस्थित सभी महानुभवों को बांटा गया। सुनाम को और ज्यादा विकसित व सभी सुविधाओं से परिपूर्ण करने के लिए शीघ्र ही भविष्य में सभी वर्गों की एक बैठक में सम्मिलित होने का आश्वासन भी श्री गोयल ने दिया।

भारत का रूतबा किस तरह से आज विश्व देख रहा है यह सब मोदी जी की ही मेहरबानी है।

श्री गोयल ने कहा कि आज 102 सीटों पर लोकसभा के चुनाव हुए हैं, उन क्षेत्रों से प्राप्त जानकारियों से ऐसा अनुभव हो रहा है कि देश की जनता, मोदी जी को, तीसरी बार 400 पार के साथ प्रधानमंत्री बनाने जा रही है। पंजाब के सभी राष्ट्रभक्त देशवासी भी पंजाब की 13 की 13 सीट मोदी जी को देकर 2047 के विकसित भारत व भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक शक्ति बनाने में अपनी वोट के माध्यम से अपनी आहूती डालकर, लोकतंत्र के इस महायज्ञ में जरूर शामिल हांगे। इस अवसर पर श्री महेन्द्र मनचंदा, श्री अतुल राय, श्री रविन्द्र गोयल, श्री सुरेन्द्र जैन, श्री मनोज बंसल, श्री चन्द्रप्रकाश, श्री शिव कुमार जैन आदि उपस्थित थे।

2014 और 2019 के मुकाबले कम हुआ सहारनपुर में मतदान

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश की सहारनपुर लोकसभा सीट पर 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार कम मतदान हुआ।

अधिकृत सूत्रों के अनुसार सहारनपुर में 68.097 फीसद वोट पडे जबकि 2019 में 70 फीसद, 2014 में 74.82 फीसद मतदान हुआ था। 2009 में हालांकि 63.24 फीसद वोट पडे थे। 2014 में भाजपा के राघव लखन पाल चार लाख 72 हजार वोट पाकर सांसद चुने गए थे और इमरान मसूद को चार लाख सात हजार वोट पडे थे।

2019 में मतदान प्रतिशत गिरा और भाजपा के राघव लखनपाल शर्मा करीब 23 हजार वोटो से बसपा के हाजी फजर्लुरहमान से हार गए थे। राघव लखनपाल को चार लाख 91 हजार फजर्लुरहमान को पांच लाख 14 हजार वोट मिले थे।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर और बिजनौर सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

इस बार का चुनाव 2014 और 2019 से इस मायने में भिन्न रहा कि अबकी मतदाताओं पर जातीय असर ज्यादा हावी रहा।

कमिश्नर डा. हृषिकेश भास्कर यशोद, डीआईजी अजय साहनी ने देर शाम बताया कि सहारनपुर मंडल की तीनों सीटों सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और कैराना में कही से भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

ट्रैफिक नियमों तोडऩे वालों पर सख्ती बरतना जरूरी

डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने सडक़ सुरक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

ललित कुमार गोठवाल

झज्जर। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि सडक़ दुर्घटनाओं पर रोक को लेकर प्रशासन सजग एवं सर्तक है,साथ ही आमजन का सडक़ सुरक्षा के प्रति जागरूक होना बेदह जरूरी है। डीसी शुक्रवार को सडक़ सुरक्षा को लेकर अधिकारियों की बैठक में जरूरी दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले में सडक़ हादसों को रोकने के लिए पुलिस अन्य संबंधित एजेंसियां कार्य कर रहीं हैं जिसके सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। बैठक में एसीपी बादली शुभम सिंह मौजूद रहे । इस बीच आरटीए सचिव गजेंद्र सिंह ने सडक़ सुरक्षा को लेकर विस्तार से जानकारी दी।

डीसी ने बैठक में सडक़ सुरक्षा कमेटी के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला में सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कमेटी के अधिकारी जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करें। इसके अलावा ऐसे प्वाइंट्स चिन्हित करें जहां सडक़ हादसे ज्यादा होते हैं, उन कारणों को दूर किया जाए। डीसी ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सडक़ मार्गों पर ऐसे ब्लैक् स्पॉट को चिन्हित करते हुए दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए आमजन को भविष्य में सुरक्षित आवागमन सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए।

ब्लैक स्पाट पर साइनेज लगाने के निर्देश

डीसी ने कहा कि निर्धारित गति सीमा में वाहन ड्राइव करने के लिए वाहन चालकों को जागरूक करने व गति सीमा, अवरोधकों और ट्रैफिक नियमों के बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं के संभावित क्षेत्रों, घुमावदार सड़क तथा ब्लैक स्पॉट पर साइनेज लगाने के निर्देश दिए। जिला के मुख्य चौराहों व शहरी क्षेत्र में ट्रैफिक लाइट ठीक करवाई जाए, जहां जरूरत हो वहां स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं, अवैध कट बंद करवाएं। डीसीपी शुभम सिंह ने बैठक में यातायात पुलिस अधिकारियों को बिना हेलमेट राइड करने वालों पर सख्ती बरतने, स्कूल बसों में सुरक्षा उपकरण चैक करने, स्कूल वाहन चालकों का मेडिकल करने, अवैध एरिया में पार्किंग पर रोक लगाने , सिग्नल लाइट आदि रिपेयर के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन अमूल्य है। उन्होंने कहा किया यातायात नियमों की जागरूकता से सडक़ दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

बैठक में यह अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर डीएफओ विपिन कुमार सिंह,एसडीएम झज्जर रविंद्र यादव,एसडीएम बादली सतीश यादव, एसडीएम बहादुरगढ परमजीत चहल, डीएमसी परवेश कादियान, एसडीएम बेरी रविंद्र मलिक,सीटीएम शीतल रानी,एसीपी अमित कुमार,सिविल सर्जन डा ब्रहमदीप आर्य,डीईओ राजेश कुमार,डीईईओ सुभाष भारद्वाज,पीडब्लुडी के कार्यकारी अभियंता सुमित कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एनडीए 400 सीटें जीत कर सरकार बनायेगा : ओम प्रकाश

जालौन। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के कबीना मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। राजभर उरई में पार्टी महासचिव कालूराम प्रजापति के आवास पर उनकी मां के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने आये थे। उन्होने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजग के घटक दल जनता के बीच रहकर उनकी समस्या को समझते हैं जबकि इंडिया समूह से जुड़ी पार्टियां जमीन पर जनता के बीच नहीं जाती हैं, इसीलिए इस बार फिर से केंद्र में राजग के नेतृत्व में मोदी सरकार बनने जा रही है। उन्होने कहा कि छह महीने में सपा, बसपा और कांग्रेस जनता के बीच से दूर है। यह लोग कोई कार्यक्रम जनता के बीच में नहीं चलाते हैं जबकि एनडीए के सभी घटक दल जनता के बीच जा रहे हैं। उनकी समस्या को देख रहे हैं। राजभर ने कहा कि सपा, बसपा ने कांग्रेस के साथ मिलकर केंद्र व प्रदेश में मिली जुली सरकारें चलाई मगर कभी महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया मगर एनडीए सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पास करा दिया और अब वह जल्द ही लागू हो जायेगा।

लव यू शंकर : बनारस की पृष्ठभूमि में शिव की आराधना और रूद्र के पुनर्जन्म की दिलचस्प दास्तां

कलाकार : श्रेयस तलपदे, तनीषा मुखर्जी, संजय मिश्रा, अभिमन्यु सिंह, हेमंत पांडे, मन गांधी, इलाक्षी गुप्ता
पटकथा : रवींद्र राम पाटिल और प्रियांक मेहता
निर्देशक : राजीव एस. रूईया
निर्माता : सुनीता देसाई और तेजस देसाई
संगीत : वरदान सिंह
रेटिंग : 4 स्टार

किस भी चीज़ में ध्यान लगाने के लिए दिये जाने वाले निर्धारित समय में हो रही चिंताजनक कटौती और दिनों-दिन कम होते लोगों के अटेंशन स्पैन के इस अजीबोगरीब दौर में दर्शकों को ढाई-तीन घंटे तक किसी फ़ीचर फ़िल्म के ज़रिए बांधे रखना कोई मामूली बात नहीं है. मगर इस कसौटी पर पूरी तरह से खरी उतरती है आस्था और पुनर्जन्म की अनोखी दास्तां बयां करने वाली और बड़े ही दिलचस्प तरीके से बनाई गई फ़िल्म लव यू शंकर

लव यू शंकर की कहानी महज़ सबके प्रिय भगवान शिव की आराधना के इर्द-गिर्द बुनी गई कोई साधारण कहानी नहीं है. इस फ़िल्म में महादेव की भक्ति के बहाने बनारस की दिव्यता, भव्यता, शिव भक्तों की धार्मिकता के रंग और बनारस के सैकड़ों सालों के गौरवपूर्ण इतिहास की झलक भी देखने को मिलती है.

फ़िल्म की कहानी 10 साल के शिवांश द्वारा अपने पिछले जन्म में महादेव के भक्त रूद्र होने के एहसास और फिर पिछले जन्म की अपनी हक़ीक़त को संपूर्ण रूप से जानने के लिए उसके बनारस आने से जुड़ी हुई है. बनारस में अपनी पत्नी गीता के साथ रहने वाले रूद्र को भोलेनाथ का अनन्य भक्त के रूप में दिखाया गया है जिसकी हत्या छल और प्रपंच में डूबे एक बाबा द्वारा कर दी जाती है. लेकिन फिर विदेश में रहने वाला बालक शिवांश किस तरह से अपने अभिभावकों के साथ बनारस आकर अपनी जड़ों की ओर लौटता है और कैसे वो सिद्धू से सिद्धेश्वर महाराज बने अपने हत्यारे का पता लगाता है, इसे बड़े ही दिलचस्प तरीके से निर्देशक राजीव एस. रूईया ने बड़े पर्दे पर पेश करने की कोशिश की है.

गौरतलब है कि बनारस आकर पिछले जन्म में अपनी हत्या करने वाले शख़्स से बदला लेने की इस कहानी में शिवांश को भगवान शिव के बाल स्वरूप का साथ मिलता है जो क़दम क़दम पर बालक शिवांश का दोस्त की तरह साथ देता है और उसके मिशन में अनूठे तरीके से उसका मार्गदर्शन भी करता है. लेकिन ख़ास बात यह कि लव यू शंकर में शिवांश के दोस्त के रूप में बाल शिव को एनिमेशन अवतार में पेश किया गया है जो इस फ़िल्म को और भी रोचक और रोमांचक बना देता है.

अगर फ़िल्म में अदाकारी की बात की जाए तो फ़िल्म के सभी कलाकारों ने अपने उम्दा अभिनय से इस फिल्म में जान डाल दी है. श्रेयस तलपदे, तनीषा मुखर्जी, अभिमन्यु सिंह, मन गांधी, संजय मिश्रा, हेमंत पांडे और इलाक्षी गुप्ता जैसे तमाम कलाकारों ने अपने अपने किरदारों के साथ पूरी तरह से न्याय किया है जो फ़िल्म को और भी दर्शनीय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं.

एनिमेशन और जीवंत कलाकारों की अदाकारी से सजी फ़िल्म लव यू शंकर में शिव की आराधना के साथ साथ एक दिलचस्प कहानी को पिरोया गया है और यही वजह है कि यह फ़िल्म अंत देख अपनी रोचकता बरकरार रखने में कामयाब साबित होती है.